लखनऊ

रविवार 29 जून 2025

वर्ष : 10 । अंक: 342

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

हमे सीमित मात्रा में निराशा को स्वीकार करना चाहिये, लेकिन असीमित आशा को नहीं छोडना चाहिये। - मार्टिन लुथर किंग

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

पहलगाम आतंकी हमले के प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेगी संसदीय समिति; जम्मू में होगी अहम बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। एक संसदीय समिति पहलगाम आतंकी हमले के प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेगी। घटना के बाद यह पहला आधिकारिक दौरा होगा, जिसका उद्देश्य जमीनी स्थिति का आकलन करना और प्रशासनिक एवं सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा करना है। वरिष्ठ भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की अध्यक्षता में कोयला, खान और इस्पात विभाग-संबंधित संसदीय स्थायी समिति एक व्यापक अध्ययन यात्रा करेगी। ये समिति मुंबई, कुर्ग और श्रीनगर में भी रुकेगी। अपनी यात्रा के कश्मीर चरण के हिस्से के रूप में, समिति के सदस्य पहले जम्मू जाएंगे, जहां वे शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों के साथ प्रारंभिक बैठकें करेंगे। जम्मू में अपने प्रवास के दौरान, प्रतिनिधिमंडल का श्रीनगर जाने के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार होने से पहले माता वैष्णो देवी मंदिर का दौरा करने का भी कार्यक्रम है। श्रीनगर में, समिति क्षेत्रीय विकास, सुरक्षा चिंताओं और नागरिक जीवन और पर्यटन पर आतंकवाद के प्रभाव पर चर्चा करने के लिए आगे की बैठकें आयोजित करेगी। श्रीनगर में अपनी बैठकों के बाद, समिति बैसरन घाटी में आतंकवादी हमले के वास्तविक स्थल का दौरा करने के लिए पहलगाम की यात्रा करेगी। पहलगाम के लोकप्रिय पर्यटन शहर के पास बैसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है और जनता और राजनीतिक नेतृत्व दोनों की ओर से कड़ी प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। पीड़ितों से उनके नाम पूछे जाने के बाद उन्हें निशाना बनाया गया, जो हमले की क्रूर और सांप्रदायिक प्रकृति को दर्शाता है। इस हाई-प्रोफाइल दौरे के सुचारू समन्वय को सुनिश्चित करने के लिए, जम्मू-कश्मीर सरकार ने भूविज्ञान और खनन निदेशक एस.पी. रुकवाल को आधिकारिक समन्वयक नियुक्त किया है।

यमुनोत्री हाईवे के पास भू-धंसाव, वाहनों की आवाजाही हुई बंद; सुबह से सैकड़ों श्रद्धालु रास्ते में फंसे

देहरादून। यमुनोत्री हाईवे पर पाली गाड़ के पास देर रात भारी बारिश के चलते भू-धंसाव हो गया, जिससे हाईवे पर यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। इसके कारण हाईवे के दोनों ओर सैकड़ों श्रद्धालुओं के वाहन फंसे हुए हैं। श्रद्धालु यमुनोत्री धाम की यात्रा पर निकले थे, जिन्हें अब परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग (एनएच) की मशीनें मौके पर भेजी गई हैं और मलबा हटाने का काम जारी है। राज्य के अन्य हिस्सों में भी भारी बारिश का असर देखने को मिल रहा है। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग सिरोहबगड़ के पास बंद हो गया है, जबकि रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे भी सोनप्रयाग के समीप अवरुद्ध है। बदरीनाथ हाईवे पर पीपलकोटी के पास भनेरपानी में मलबा आने से रास्ता बाधित हो गया है। तीनों स्थानों पर यात्रा वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं और यात्रियों को मौसम खुलने का इंतजार है। मौसम विज्ञान केंद्र ने देहरादून और नैनीताल जिलों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। बागेश्वर जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। अन्य

भारत सेवा प्रधान देश, विश्व की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता... आचार्य विद्यानंद जी महाराज की शताब्दी समारोह में बोले पीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आचार्य विद्यानंद जी महाराज की शताब्दी समारोह में 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस दौरान मोदी ने आचार्य विद्यानंद जी महाराज की 100वीं जयंती के अवसर पर उनके शताब्दी समारोह के दौरान डाक टिकट और सिक्के जारी किए। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हम सब भारत की अध्यात्म परंपरा के एक महत्वपूर्ण अवसर के साक्षी बन रहे हैं। पूज्य आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज, उनकी जन्म शताब्दी का ये पून्य पर्व... उनकी अमर प्रेरणाओं से ओत-प्रोत यह कार्यक्रम एक अभूतपूर्व प्रेरक वातावरण का निर्माण हम सबको प्रेरित कर रहा है। मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूं। मुझे आने का अवसर देने के लिए आप सब का आभार व्यक्त करता हूं।

मोदी ने कहा कि आज का ये दिन एक और वजह से बहुत विशेष है। 28 जून यानी, 1987 में आज की तारीख पर ही आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज को आचार्य पद की उपाधि प्राप्त हुई थी। ये सिर्फ एक सम्मान नहीं था, बल्कि जैन परंपरा को विचार, संयम और करूणा से जोड़ने वाली एक पवित्र धारा प्रवाहित हुई। आज जब हम उनकी जन्म शताब्दी मना रहे हैं तब ये तारीख हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाती है। इस अवसर पर आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज की चरणों में नमन करता हूं। उनका आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे, ये प्रार्थना करता हूं।

नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज इस अवसर पर आपने मुझे 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि देने का जो निर्णय लिया है, मैं खुद को इसके योग्य नहीं समझता हूं। लेकिन हमारा संस्कार है कि हमें सतों से जो कुछ मिलता है उसे प्रसाद समझकर स्वीकार किया जाता है। इसलिए मैं आपके इस प्रसाद को विनम्रता पूर्वक स्वीकार करता हूं और मैं भारती के चरणों में अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता है। हम हजारों वर्षों से अमर हैं, क्योंकि... हमारे विचार अमर हैं, हमारा चिंतन अमर है, हमारा दर्शन अमर है। और इस दर्शन के स्रोत हैं- हमारे ऋषि-मुनि, महर्षि, संत और आचार्य। आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज, भारत के इसी परंपरा के आधुनिक प्रकाश स्तंभ हैं।

मोदी ने कहा कि आचार्य विद्यानंद जी महाराज कहते थे कि जीवन तभी धर्ममय हो सकता है, जब जीवन स्वयं ही सेवामय बन जाए। उनका ये विचार जैन दर्शन की मूल भावना से जुड़ा हुआ है, ये विचार... भारत की चेतना से जुड़ा हुआ है। भारत सेवा प्रधान देश है, मानवता प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि दुनिया में जब हजारों वर्षों तक हिंसा को हिंसा से शांत करने के प्रयास हो रहे थे.... तब भारत ने दुनिया को अहिंसा की शक्ति का बोध कराया। हमने मानवता की सेवा की भावना को सर्वोपरि रखा। सब साथ चलें, हम मिलकर आगे बढ़ें... यही हमारा संकल्प है।

विकास पथ के महत्वपूर्ण चरण का नरसिम्हा राव ने किया प्रभावी नेतृत्व, भारत आभारी : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पूर्व पीएम पी.वी. नरसिम्हा राव की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने उनके नेतृत्व और बुद्धिमता की प्रशंसा की। पीएम मोदी ने भारत के विकास में उनके नेतृत्व की सराहना करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, विकास पथ के महत्वपूर्ण चरण के दौरान उनके प्रभावी नेतृत्व के लिए भारत उनका आभारी है। उनकी बुद्धि, ज्ञान और विद्वत्तापूर्ण स्वभाव की भी व्यापक रूप से प्रशंसा की जाती है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने अर्थव्यवस्था में नई दिशा दिखाने वाले उनके प्रयासों की सराहना करते हुए लिखा, लोकप्रिय राजनेता एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, 'भारत रत्न पी.वी. नरसिम्हा राव की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दिखाने के अभिनव प्रयासों के लिए आपको सदैव याद किया जाएगा।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व पीएम को सच्चा राष्ट्रभक्त बताते एक्स पर लिखा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' स्व. पी.वी. नरसिम्हा राव की जयंती पर उन्हें सादर नमन। आधुनिक अर्थशास्त्र की गहरी समझ रखने वाले नरसिम्हा राव सच्चे अर्थों में राष्ट्रभक्त, विद्वान और युगद्रष्टा थे। उनकी नीतियां और विचार आज भी राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पूर्व पीएम को आर्थिक सुधारों का शिल्पकार बताया। लिखा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न पी.वी. नरसिम्हा राव की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। वह एक दूरदर्शी राजनीतिज्ञ, कुशल प्रशासक और आर्थिक सुधारों के शिल्पकार थे, जिनके नेतृत्व में भारत ने एक नई आर्थिक दिशा की ओर कदम बढ़ाया। उनका योगदान राष्ट्र निर्माण, प्रशासनिक दक्षता और वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान को सुदृढ़ करने में अमूल्य रहा है।

पीवी राव के निधन पर क्या बोली कांग्रेस?

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से पोस्ट किया, 'पी वी नरसिंह राव को उनकी जयंती पर याद करते हैं। वह एक दूरदर्शी नेता थे, जिनके 1991 के आर्थिक सुधारों ने भारत को प्रगति, उदारीकरण और आत्मनिर्भरता के पथ पर स्थापित किया' पार्टी ने कहा कि राव के साहसिक सुधार और राजनेता के तौर पर उनका व्यक्तित्व पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

'संविधान की प्रस्तावना को बदला नहीं जा सकता...' आपातकाल पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। 1976 में लगे आपातकाल को 50 साल पूरे हो चुके हैं। आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान में भी कई बदलाव किए थे। इस दौरान संविधान की प्रस्तावना में भी कुछ शब्द जोड़े गए थे, जिसे लेकर अब सियासत तेज हो गई है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इसपर बयान देते हुए कहा कि प्रस्तावना को बदला नहीं जाता है। यह संविधान का बीज होती है। दुनिया के किसी अन्य देश में संविधान की प्रस्तावना को नहीं बदला गया है, यह सिर्फ भारत में देखने को मिलता है।

प्रस्तावना पर क्या बोले उपराष्ट्रपति धनखड़?

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, 'भारतीय संविधान की प्रस्तावना को 42वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 के द्वारा बदला गया। प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' जैसे शब्द जोड़े गए। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने भी संविधान पर बहुत मेहनत की थी। ऐसे में जाहिर है उन्होंने भी इन शब्दों पर ध्यान दिया होगा, लेकिन इन्हें संविधान की मूल प्रस्तावना में नहीं रखा गया था।'

दत्तात्रेय ने उठाये थे सवाल

बता दें कि इस मुद्दे को हाल ही में RSS के सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबाले ने उठाया था। दत्तात्रेय का कहना था कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' जैसे शब्दों को संविधान में नहीं रखा। हालांकि बाद में इसे प्रस्तावना में जोड़ा गया, जिसने संविधान की मूल भावना को ठेस पहुंचाने का काम किया। इसी के साथ होसबाले ने इसपर फिर से विचार करने की सलाह दी है।

केंद्रीय मंत्रियों ने भी दिया साथ

होसबाले के बयान के बाद बीजेपी के कई नेताओं ने इस मुद्दे को उठाया। इस लिस्ट में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और शिवराज सिंह चौहान का नाम भी शामिल है। उनका कहना है कि मूल संविधान में बी आर अंबेडकर ने इन शब्दों को नहीं लिखा था। इन्हें संविधान में रखने पर फिर से विचार करने की जरूरत है।

निजी निवेश सुस्त, मोदी सरकार की नीतियों का परिणाम : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि निवेश में यह जड़ता मोदी सरकार की दबाव और दमन वाली नीतियों का परिणाम है। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भारत की अर्थव्यवस्था जिद पर अड़ी है, वह आगे बढ़ने का नाम ही नहीं ले रही, जबकि तेज आर्थिक वृद्धि न सिर्फ जरूरी है, बल्कि पूरी तरह संभव भी है। इस विफलता की सबसे अहम वजह यह है कि सितंबर 2019 में बड़ी कर कटौती और पीएलआई 'कैश हैंडआउट' के बावजूद निजी कॉरपोरेट निवेश लगातार सुस्त बना हुआ है।' उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के ही एक सर्वेक्षण में संकेत दिया गया है कि 2025-26 में निजी क्षेत्र का पूंजीगत व्यय पिछले वर्ष की तुलना में करीब 25 प्रतिशत तक कम हो सकता है। उन्होंने कहा, 'विशेषज्ञों का कहना है कि बैंक कर्ज देने को तैयार हैं, लेकिन कंपनियां निवेश के लिए कर्ज लेने से हिचक रही हैं, क्योंकि मौजूदा माहौल को विस्तार के अनुकूल नहीं माना जा रहा।' रमेश ने दावा किया, 'मांग में वृद्धि ही निवेश को बढ़ावा देती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताएं हैं, लेकिन भारत में मांग की कमी के तीन स्पष्ट कारण हैं -मजदूरी में ठहराव, विकृत जीएसटी ढांचा और बढ़ती आर्थिक असमानता।' उनके अनुसार, जब उपभोग खुद नीचे जा रह हो, तो कंपनियों के पास उत्पादन क्षमता बढ़ाने का कोई ठोस कारण नहीं होता। कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर दिया कि निवेश जितना एक वित्तीय निर्णय है, उतना ही वह मनोवैज्ञानिक कारकों से भी जुड़ा होता है।

'धारा 370 हटाने का फैसला स्वीकार किया ताकि देश में एक संविधान रहे', नागपुर में बोले सीजेआई गवई

नागपुर। नागपुर में देश के मुख्य न्यायाधीश ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के फैसले को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि देश को एकजुट रखने के एक ही संविधान की जरूरत है। हमने संसद द्वारा लिए गए धारा 370 को हटाने के फैसले को सर्वसम्मति से स्वीकार किया, ताकि देश में एक ही संविधान चले। देश के एक राज्य में अलग संविधान बाबा साहब आंबेडकर की विचारधारा के अनुरूप नहीं था।

उन्होंने कहा कि संविधान के केंद्रीकृत होने को लेकर बाबा साहब आंबेडकर की खूब आलोचना की गई थी। बाबा साहब ने उस आलोचना का जवाब देते हुए कहा था कि हम देश को सभी चुनौतियों के लिए उपयुक्त संविधान दे रहे हैं और मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि यह युद्ध और शांति के समय में देश को एकजुट रखेगा। आज हम अपनी 75 साल की यात्रा में देख रहे हैं कि हमारे आसपास क्या स्थिति है? जब भी भारत ने किसी संकट का सामना किया है, तो देश एकजुट रहा है। यह संविधान से ही संभव हुआ है।

इससे पहले मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि संविधान ने सरकार के तीन अंगों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की सीमाएं तय की हैं। कानून बनाना विधायिका और राज्य विधानसभाओं की जिम्मेदारी है, जबकि कार्यपालिका संविधान और कानून के ढांचे के भीतर काम करती है। उन्होंने कहा कि संविधान और नागरिकों के अधिकारों को बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

सीजेआई ने कहा कि अगर न्यायपालिका हर मामले में कार्यपालिका और विधायिका के क्षेत्रों में हस्तक्षेप करने की कोशिश करती है, तो मैं हमेशा कहता हूं हालांकि न्यायिक सक्रियता बनी रहेगी, लेकिन इसे न्यायिक दुस्साहस और न्यायिक आतंकवाद में बदलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जब कोई कानून संसद या राज्य विधानसभा के अधिकार से परे बनाया जाता है और यह सांविधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, तो न्यायपालिका के लिए हस्तक्षेप करना अनिवार्य है।

'2047 तक भारत को हर क्षेत्र में विश्व गुरु बनाने का संकल्प लें', अमित शाह ने युवाओं से किया आह्वान

गोधरा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को युवाओं से आह्वान किया कि वे संकल्प लें कि जब भारत अपनी आजादी की 100वीं वर्षगांठ यानी 2047 में मनाएगा, तब हमारा देश हर क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करेगा। अमित शाह गुजरात के पंचमहल जिले के विनजोल में मौजूद श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय में 125 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित कर रहे थे। वे खराब मौसम के कारण कार्यक्रम में खुद नहीं पहुंच सके थे।

अमित शाह ने गोविंद गुरु को दी श्रद्धांजलि

इस दौरान अमित शाह ने भारत की आजादी की लड़ाई में आदिवासी नेता गोविंद गुरु के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान इस क्षेत्र के लोगों की चेतना को जागृत किया। उन्होंने बताया, 'ब्रिटिश सरकार के खिलाफ संघर्ष में करीब 1,512 आदिवासी भाई-बहनों ने बलिदान दिया, और मांगढ़ (गुजरात) भारत की स्वतंत्रता के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया।'

मोदी के विजन को बताया प्रेरणादायक

अमित शाह ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोविंद गुरु के वीरता के इतिहास को आगे बढ़ाया है और वे 2047 तक भारत को एक महान राष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारे युवाओं और बच्चों को यह संकल्प लेना चाहिए कि जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाए, तब हम हर क्षेत्र में दुनिया में प्रथम स्थान पर हों।'

गोविंद गुरु विश्वविद्यालय का सपना

गृह मंत्री ने बताया कि गोविंद गुरु विश्वविद्यालय की स्थापना का विचार स्वयं नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए किया था। उन्होंने आगे कहा, 'यह विश्वविद्यालय और गोविंद गुरु का स्मारक पूरे देश के आदिवासी समाज के लिए प्रेरणा का केंद्र बन सके, इस उद्देश्य से यह विचार आया'।

125 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन

उन्होंने जानकारी दी कि विश्वविद्यालय की स्थापना 2015 में हुई थी और आज जिन परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास हुआ है, उनकी कुल लागत 125 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं में सेंटर फॉर एक्सीलेंस, इंडोर मल्टीपर्पस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिंथेटिक ट्रैक, फुटबॉल और क्रिकेट मैदान, कृत्रिम झील, छात्रावास भवन शामिल हैं।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में भाजपा ने मांगा सीएम ममता का इस्तीफा, घटना को बताया राज्य प्रायोजित

कोलकाता। भाजपा ने पश्चिम बंगाल सामूहिक दुष्कर्म के मामले में राज्य की टीएमसी सरकार पर हमला बोला। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि 'जिस राज्य की सीएम एक महिला हैं, वहां महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता होनी चाहिए, लेकिन वहां इतनी असंवेदनशीलता और निर्दयता क्यों है? पीड़िता ने जो बयान दिया है, उससे साफ पता चलता है कि सामूहिक दुष्कर्म की यह घटना कहीं न कहीं राज्य प्रायोजित है।'

संबित पात्रा ने कहा कि 'यह क्रूर घटना राजनीति से प्रेरित है। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं क्योंकि यह पूरा मामला कॉलेज संघ से जुड़ा है। मुख्य आरोपी खुद टीएमसी की छात्र शाखा का सचिव रहा है और वह टीएमसी का सदस्य है।'

शेफाली जरीवाला का निधन : पति पराग त्यागी समेत 4 लोगों के बयान दर्ज

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की अचानक मौत के मामले में जांच तेज हो गई है। जुहू पुलिस स्टेशन के अधिकारी कूपर अस्पताल पहुंचे हैं और वहां सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस ने शेफाली के पति पराग त्यागी का बयान उनके घर पर दर्ज किया है। अब तक इस मामले में कुल चार लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। शेफाली जरीवाला के रिश्तेदार भी कूपर अस्पताल पहुंच चुके हैं, जहां उनका शव पोस्टमार्टम के लिए रखा गया है। वहां उनके करीबी दोस्त और फिटनेस ट्रेनर भी मौजूद हैं।

फिटनेस ट्रेनर ने बताया कि शेफाली अपने स्वास्थ्य को लेकर बहुत अनुशासित थीं। उन्होंने कहा, वो अपने खानपान का अच्छे से ध्यान रखती थीं। नियमित व्यायाम करती और फिटनेस को प्राथमिकता देती थीं। शेफाली मिर्गी के दौरे को नियंत्रित करने के लिए ठंडी चीजों से परहेज करती थीं और अपने उपचार की दिनचर्या का कड़ाई से पालन करती थीं। ट्रेनर ने बताया कि शेफाली से उनकी आखिरी मुलाकात दो दिन पहले हुई थी।

हालांकि जिस तरह मुंबई पुलिस इस घटनाक्रम की जांच को आगे बढ़ा रही है, उससे मामला संदेहास्पद लग रहा है। पति पराग त्यागी के अलावा पुलिस ने रात में ही मेड और कुक से पूछताछ की थी। शनिवार सुबह मुंबई पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम भी अभिनेत्री के घर गई, जिसने काफी समय तक जांच की।

42 वर्षीय अभिनेत्री शेफाली का देर रात निधन हुआ। शुरुआत में सामने आया कि शेफाली की मौत कार्डियक अटैक के चलते हुई है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है, जो मुंबई पुलिस की जांच को आगे बढ़ाने के लिए अहम है।

साहिल ने रेप किया, फिर निकाह के लिए किया टॉर्चर, अहमदाबाद में 17 साल की लड़की ने क्या-क्या सहा?

आर्यावर्त संवाददाता

जालौन। यूपी के जालौन के उरई कोतवाली क्षेत्र से लव जिहाद का एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें 17 वर्षीय नाबालिग किशोरी के अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन, निकाह का प्रयास किए जाने और रेप करने का आरोप लगाया गया है। किशोरी और उसके परिजनों ने मुस्लिम युवक साहिल और उसके परिजनों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही पुलिस की निष्क्रियता और लापरवाही को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं।

इस घटना को लेकर परिजनों ने शुक्रवार को उरई कलेक्ट्रेट में धरना दिया और कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस ने परिजनों को समझाकर शांत कराया और किशोरी का दोबारा से मेडिकल परीक्षण करने की बात कही है। पीड़िता और उसके परिजनों के अनुसार, मोहल्ले में रहने वाला युवक साहिल ने खुद को रोहित बताया और किशोरी से दोस्ती की।

किशोरी को प्रेमजाल में फंसाकर हमीरपुर ले गया

इसके बाद वो किशोरी को प्रेमजाल में फंसाकर उसे बहला-फुसलाकर 14 मई को अपने साथ हमीरपुर ले गया। वहां साहिल की मां रेशमा और अन्य लोग भी मौजूद थे। आरोप है कि हमीरपुर पहुंचते ही किशोरी पर धर्म परिवर्तन और निकाह के लिए दबाव बनाया गया। किशोरी का आरोप है कि एक मौलवी ने उसे निकाह से पहले जबरन गाय का मांस खिलाने की कोशिश की और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

किशोरी पर जबरन इस्लाम अपनाने का दवाब डाला

किशोरी का आरोप है कि इसके बाद साहिल और उसका परिवार उसको ले गया। वहां साहिल ने उसके साथ रेप किया। साहिल और उसके परिवार ने उसपर जबरन इस्लाम अपनाने के लिए दबाव डाला। यही नहीं उसकी मर्जी के खिलाफ शादी करने की तैयारी भी की जा रही थी। इस मामले में किशोरी के परिजनों ने कई बार स्थानीय पुलिस से संपर्क किया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

समय रहते मेडिकल परीक्षण भी नहीं कराया

आखिरकार, 20 जून को किशोरी को बरामद किया गया, लेकिन परिजनों का कहना है कि पुलिस ने तब भी मामले को गंभीरता से नहीं लिया और न ही आरोपी को तत्काल गिरफ्तार किया। पीड़िता का समय रहते मेडिकल परीक्षण भी नहीं कराया गया। पुलिस की इस लापरवाही से नाराज होकर शुक्रवार को पीड़िता और उसका परिवार कलेक्ट्रेट पहुंचे और धरना प्रदर्शन किया।

परिजनों ने चौकी प्रभारी पर लगाए गंभीर आरोप

धरना प्रदर्शन की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी (सीओ) अर्चना सिंह और उरई कोतवाली प्रभारी अरुण कुमार राय मौके पर पहुंचे और परिजनों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया। धरना स्थल पर परिजनों ने डिप्टी गंज चौकी प्रभारी पर भी गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि चौकी प्रभारी ने शुरू से ही मामले को दबाने की कोशिश की और आरोपी पक्ष को बचाने का प्रयास किया।

आरोपी को अरेस्ट कर भेजा गया जेल

सीओ अर्चना सिंह ने मीडिया से बातचीत में बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए दोबारा किशोरी का मेडिकल कराया जाएगा। उन्होंने जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं और भरोसा दिलाया है कि जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आरोपी साहिल को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। साथ ही अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। परिजनों की मांग है कि आरोपी युवक साहिल, उसकी मां रेशमा और इस घटना में शामिल सभी लोगों पर कड़ी धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए।

तालाब से अवैध कब्जा हटाया गया, जेसीबी से कराई गई कार्रवाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

जयसिंहपुर/सुलतानपुर। ग्राम उमरभार जियापुर, थाना कूरेभार स्थित गाटा संख्या 513 रकबा 0.038 हेक्टेयर तालाब से अवैध कब्जा हटाया गया। गाँव के बब्बन प्रसाद पुत्र साधूराम यादव द्वारा तालाब की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर पाट दिया गया था। इसको लेकर ग्रामवासी राम जस यादव ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद उपजिलाधिकारी जयसिंहपुर के आदेश पर राजस्व निरीक्षक फुलौना सत्य नारायण यादव ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर जेसीबी मशीन की सहायता से अतिक्रमण हटवाया। इस कार्रवाई के दौरान हल्का लेखपाल देवमणि उपाध्याय, पदुमरा के लेखपाल विपिन यादव, कूरेभार थाने से उपनिरीक्षक गिरिजेश, सिपाही प्रदीप, शहजाद तथा महिला सिपाही भी मौजूद रहीं। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों में संतोष देखा गया।

जेठानी ने अपनी देवरानी की गला घोंट कर की हत्या

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। कुड़वार स्थित देवलपुर प्रथम गांव में एक जेठानी ने अपनी देवरानी की हत्या कर दी। इस वारदात में 45 वर्षीय रीता सिंह ने 37 वर्षीय सविता सिंह का गला घोंट दिया। घर में अकेला पाकर रीता ने सविता की हत्या की और इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। हालांकि उसकी यह योजना सफल नहीं हुई। मृतका के भाई आदित्य सिंह ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। आदित्य सिंह मऊ जिले के रानीपुर थाना क्षेत्र के चकभतड़ी गांव के रहने वाले हैं। घटना बीते बुधवार शाम की है, जब रीता सिंह पत्नी अर्जुन सिंह ने अपनी देवरानी सविता सिंह (37) पत्नी मुकेश सिंह की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार हत्या पेटीकोट से गला कसकर की गई, जिसे बाद में बरामद कर लिया गया है। पुलिस जांच में यह तथ्य सामने आया कि एक दिन पहले घरेलू विवाद के चलते सविता ने जेठानी की पिटाई कर दी थी, जिससे नाराज होकर आरोपी महिला ने सुनियोजित ढंग से घटना को अंजाम दिया। हत्या के समय घर में कोई पुरुष सदस्य मौजूद नहीं था। मृतका के पति रोजी-रोटी के सिलसिले में बाहर थे, जबकि बच्चे कोचिंग गए हुए थे। मृतका की शादी करीब 15 वर्ष पूर्व हुई थी। उसके दो बच्चे अर्पित उर्फ कल्लू (8) और पलक (11) हैं। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने मृतका के भाई आदित्य सिंह, निवासी चक भतड़ी, थाना रानीपुर, जिला मऊ की तहरीर पर धारा 302 आईपीसी में मुकदमा दर्ज कर रीता सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी रीता सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि घरेलू विवाद के चलते यह हत्या की गई। मृतका के दो बच्चे हैं 11 वर्षीय पलक और 8 वर्षीय अर्पित। दोनों बच्चे अपनी मां की मौत से बेहद दुखी हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया।

लघु उद्योग व्यापार मंडल की महिला प्रकोष्ठ का हुआ गठन

सुलतानपुर। नीति आयोग भारत सरकार द्वारा पंजीकृत संस्था आरपीएस-एमएएफ से सम्बद्ध उसकी एक ईकाई लघु उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी पी गुप्ता ने संगठन का विस्तार करते हुए महिला प्रकोष्ठ का गठन किया। शहर की प्रतिष्ठित बिजनेस वोमेन नीलिमा सेठ को जिला प्रभारी महिला प्रकोष्ठ और उच्च शिक्षा प्राप्त एस राज ज्वेल्स फेमिली की सर्वेशा सांईराज को जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ का दायित्व सौंपा गया। इस अवसर पर युवा जिला प्रभारी अरविन्द चैरसिया, राजेश सोनी, गजानंद मोदनवाल, सरदार गगन दीप सिंह, रमेश कुमार मोदनवाल, सुरेश कुमार सोनी, प्रदीप मिश्रा, राजदेव यादव, अंजनी जायसवाल, शिवशंकर चैधरी, संगमलाल मोदनवाल, सरदार जसविंदर सिंह, जीत बहादुर मोदनवाल, ओमप्रकाश गुप्ता, आशीष बरनवाल एडवोकेट, डी डी निषाद एडवोकेट, दीपक

प्यार में धोखा! युवक ने प्रेमिका को मौत के घाट उतारकर शव जलाया, तालाब में फेंकी राख ; बरात के शोर में दब गईं चीखें

एक महिला की हत्या कर शव जलाने की सूचना मिली है। जिस पर पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया है। इसमें जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।
- वेदपाल सिंह, इंस्पेक्टर कुंवरगांव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बदायूं। कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव में एक युवक व उसके स्वजन ने उसकी प्रेमिका की हत्या कर दी। शव को तालाब किनारे जला दिया। उसकी राख तक को तालाब में फेंक दिया। मंगलवार रात गांव में एक बरात आई थी। इसका फायदा उठाकर युवक और उसके परिवार वालों ने पूरी घटना को अंजाम दिया है। मामले की छानबीन की जा रही है। पुलिस को सूचना मिलने के बाद से युवक व उसका परिवार गायब है।

यह मामला कुंवरगांव थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां का एक युवक नोएडा में रहकर कपड़ों की सिलाई करता था। उसके नजदीक में ही दो बच्चों की मां रहती थी। बताया जा रहा है कि वहां दोनों का प्रेम प्रसंग हो गया। वह पति-पत्नी की तरह रहने लगे। लेकिन इसी बीच युवक की शादी दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव से तय कर दी गई। इससे युवक बहाना करके नोएडा से अपने घर आ गया।

जब इस बारे में उसकी प्रेमिका को पता चला तो वह भी उसके पीछे-पीछे गांव आ गई। आठ मई को युवक की शादी होनी थी। उससे पहले ही घर में हंगामा हो गया। उस महिला ने थाने जाकर भी पुलिस से शिकायत की थी और युवक के साथ रहने की इच्छा जताई थी, लेकिन युवक के परिवार वाले इसके विरुद्ध थे। उन्होंने किसी तरह महिला को नोएडा भेज दिया था। बाद में युवक ने दातागंज से शादी कर ली।

बताते हैं कि महिला वापस आई और कुछ दिन से युवक के घर पर ही रह रही थी। मंगलवार रात युवक और उसके परिवार वालों ने महिला की हत्या कर दी और उसके शव को ले जाकर गांव के बाहर तालाब किनारे जला दिया। बाद में राख तालाब में फेंक दी। इसके बाद से पूरा परिवार गायब है। जब परिवार के लोग दूसरे दिन गांव में दिखाई नहीं दिए तो लोगों को उन पर शक हुआ और इसकी चर्चा पुलिस तक पहुंच गई। इस पर पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

गांव वालों का कहना, मंगलवार रात कर दी गई हत्या, गांव में आई थी बरात, दब गईं चीखें

बताते हैं कि महिला वापस आई और कुछ दिन से युवक के घर पर ही रह रही थी। मंगलवार रात युवक और उसके परिवार वालों ने महिला की हत्या कर दी और उसके शव को ले जाकर गांव के बाहर तालाब किनारे जला दिया। बाद में राख तालाब में फेंक दी। इसके बाद से पूरा परिवार गायब है। जब परिवार के लोग दूसरे दिन गांव में दिखाई नहीं दिए तो लोगों को उन पर शक हुआ और इसकी चर्चा पुलिस तक पहुंच गई। इस पर पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

जब इस बारे में उसकी प्रेमिका को पता चला तो वह भी उसके पीछे-पीछे गांव आ गई। आठ मई को युवक की शादी होनी थी। उससे पहले ही घर में हंगामा हो गया। उस महिला ने थाने जाकर भी पुलिस से शिकायत की थी और युवक के साथ रहने की इच्छा जताई थी, लेकिन युवक के परिवार वाले इसके विरुद्ध थे। उन्होंने किसी तरह महिला को नोएडा भेज दिया था। बाद में युवक ने दातागंज से शादी कर ली।

जनसुनवाई में प्रयागराज के डीएम ने तहसीलदारों को फटकार, बोले- '30 तक नहीं हटा कब्जा तो हटा दिए जाओगे'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय में शुक्रवार को विशेष जनसुनवाई में डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने जमीन पर अवैध कब्जा के मामलों में करछना, फूलपुर, सोरांव, हंडिया, बारा, मेजा और कोरांव के तहसीलदारों को कड़े निर्देश दिए कि 30 जून तक सभी प्रकरणों का निराकरण हो जाना चाहिए, वरना पद से हटा दिए जाएंगे।

शुक्रवार को दोपहर लगभग 11 बजे शुरू जनसुनवाई में भारी भीड़ उमड़ी। दिन भर 387 शिकायतें सुनीं गईं। इसमें 168 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। जमीन पर कब्जा की सबसे ज्यादा शिकायतें आईं, जिसमें सभी तहसीलों के तहसीलदारों को जिम्मेदारी सौंपी गई। चिल्ला के प्रधान के जेल से छूटते ही उसका फ्रीज किया गया खाता फौरन शुरू करा दिए जाने के मामले में डीएम ने नाराजगी जताई। वर्ष 2008 में लेखपाल रिश्वत में फंसे थे। सेवानिवृत्त होने के बाद वह प्रधान हो गए। जब प्रधान हुए तो रिश्वत के मामले में उन्हें जेल जाना पड़ा। लगभग 14 माह तक वह जेल में रहे, जिसके कारण उनका खाता फ्रीज करा दिया गया था। रिहा होने के बाद जैसे ही वह छूटे तो उनके खाते का संचालन शुरू करा दिया गया। इस मामले में डीपीआरओ को जांच के निर्देश दिए गए। इसी तरह खानपुर डांडों के लेखपाल की शिकायत पर शिकायतकर्ता से डीएम ने फोन लगवाया।

तीन बार फोन करने पर भी लेखपाल ने फोन नहीं रिसीव किया। फिर डीएम ने अपने सीयूजी नंबर से काल कराया तो लेखपाल ने पहली घंटी पर ही काल रिसीव कर लिया। डीएम ने लेखपाल को कड़ी चेतावनी दी।

डीएम की कार घेरकर भूमिहीनों ने पट्टे की लगाई गुहार

यमुनापार के विभिन्न गांवों से शुक्रवार दोपहर कलेक्ट्रेट आईं भूमिहीन महिलाओं ने डीएम की कार को घेर कर प्रदर्शन किया। डीएम जनसुनवाई से बाहर निकलें तो उनसे वार्ता की। डा.अंबेडकर वेलफेयर नेटवर्क के संस्थापक रामबृज गौतम के नेतृत्व में आईं महिला व पुरुषों द्वारा मांग की गई कि गांवों में सरकारी भूमि पर हुए कब्जे को अभियान चलाकर मुक्त कराया जाए और फिर भूमिहीनों को आवंटित की जाए। करछना के 37, बारा के 17 गांवों की महिलाएं व पुरुष प्रदर्शन में शामिल हुए। ये महिलाएं-पुरुष 25 जून को मुख्यमंत्री कार्यालय जाने वाले थे, जिन्हें पुलिस व प्रशासन ने रोक लिया था। डॉक्टर ने 55 मरीजों का किया इलाज, अस्पताल खोलने के निर्देश

करछना सीएचसी में संविदा महिला चिकित्सक ने डीएम के निर्देश पर 55 मरीजों का इलाज किया, जिसके बाद डीएम ने उनका नर्सिंग होम खुलवाने के निर्देश दिए। दरअसल, महिला चिकित्सक सीएचसी में नहीं जाती थीं और लगभग डेढ़ लाख रुपये वेतन ले रही थीं। वह अंदावा स्थित अपने नर्सिंग होम में बैठती थीं।

इस पर पिछले दिनों डीएम ने उनका वेतन रोका और नर्सिंग होम को सील करा दिया। कहा कि एसआरएन अस्पताल के 50 गंभीर रोगियों का इलाज करेंगी तो ही उनका नर्सिंग होम संचालित होगा। इस दौरान महिला चिकित्सक ने 55 मरीजों का इलाज किया, जिसकी सूची के साथ वीडियो व फोटोग्राफ भी दिखाया।

बीवी बोली- मायके में ही रहूंगी, पति ने किया इनकार ; मां-बेटे ने मिलकर पीटा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। पत्नी को मायके से ससुराल लिवाने पहुंचे युवक को सास और बेटे के साथ मिलकर पत्नी ने ही पीट दिया। हैरान पति जब थाने पहुंचा तो पुलिस भी एक पल के लिए चौंक गई। रामगढ़ताल थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कराने के साथ ही उसका उपचार करवाया।

झंगहा क्षेत्र का रहने वाला पिंटू हैदराबाद में मेहनत-मजदूरी करता है। चार दिन पहले वह घर लौटा तो सोचा कि अब पत्नी को भी साथ ले जाएगा। रामगढ़ताल क्षेत्र में स्थित ससुराल पहुंचा, तो पत्नी ने साथ चलने से साफ इनकार कर दिया और कह दिया कि मुझे यहीं रहना है, मायके में ही ठीक हूं।

जब पिंटू ने जिद की तो बात बहस में बदल गई और फिर हाथापाई शुरू हो गई।इसके बाद पत्नी ने बेटे और अपनी मां के साथ मिलकर पिंटू को पीट दिया। घायल पिंटू थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई।

रामगढ़ताल थाना प्रभारी चितवन कुमार ने बताया कि युवक की तहरीर पर पत्नी, सास और बेटे के खिलाफ मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जब पिंटू ने जिद की तो बात बहस में बदल गई और फिर हाथापाई शुरू हो गई।इसके बाद पत्नी ने बेटे और अपनी मां के साथ मिलकर पिंटू को पीट दिया। घायल पिंटू थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई।

रामगढ़ताल थाना प्रभारी चितवन कुमार ने बताया कि युवक की तहरीर पर पत्नी, सास और बेटे के खिलाफ मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कृषि विभाग के खिलाफ व्यापारियों ने किया प्रर्दशन

» व्यापारियों ने बताया कि निर्माता कंपनियां यूरिया 242 से 246 रुपये में बिल कर रही हैं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। खाद, बीज और कीटनाशक व्यापारियों ने शनिवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। कृषि विभाग की छापेमारी और लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई के विरोध में यह प्रदर्शन किया गया। व्यापारियों ने बताया कि निर्माता कंपनियां यूरिया 242 से 246 रुपये में बिल कर रही हैं। कंपनियां मात्र 4-5 रुपये का भाड़ा दे रही हैं। वास्तविक परिवहन खर्च 25-30 रुपये है। लोडिंग-अनलोडिंग में 10 रुपये अतिरिक्त खर्च होते हैं।सरकारी नियमों के मुताबिक, खाद रिटेलर के गोदाम तक एफओआर सुविधा के तहत पहुंचनी चाहिए। कोई भी कंपनी यह सुविधा नहीं दे रही है। कंपनियां 30-40 प्रतिशत तक अन्य उत्पाद भी जबरन टैग कर रही हैं। कीटनाशकों के मामले में विभाग गुणवत्ता का सवाल उठाकर व्यापारियों के लाइसेंस निलंबित कर रहा है। व्यापारियों का कहना है कि बिक्री की अनुमति लखनऊ से मिलती है। गोदाम भी वहीं हैं। कीटनाशक अधिनियम की धारा 30 (3) के अनुसार व्यापारियों को अपना पक्ष रखने का समय मिलना चाहिए। व्यापारियों का कहना है कि वे कंपनी के मूल उत्पाद में बिना छेड़छाड़ किए माल बेचते हैं।

इसलिए गुणवत्ता की जिम्मेदारी निर्माता कंपनी की होनी चाहिए, न कि विक्रेता की।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन में ट्रेनों के ठहराव को लेकर बड़ा फैसला, अब इस स्टेशन से चलेंगी वंदे भारत सहित कई ट्रेनें

जुलाई से गोविंदपुरी स्टेशन पर बड़ी संख्या में ट्रेनों का ठहराव शुरू हो जाएगा। इसके साथ सेंट्रल स्टेशन के पुनर्विकास में यात्री सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। इससे यात्रियों को सुगम रेल सफर मिल सकेगा।
-आशुतोष सिंह, निदेशक, कानपुर सेंट्रल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन को लेकर रेलवे ने बड़ा फैसला लिया है। रेलवे के आदेश से शहर के 30 लाख यात्रियों को फायदा पहुंचेगा। अब ट्रेनों के ठहराव को बढाया गया है। वंदेभारत सहित 40 ट्रेनें अब गो विंदपुरी स्टेशन में रुकेंगी। यही नहीं, पनकी धाम व अनवरगंज रेलवे स्टेशन में भी सेंट्रल से चलने वाली ट्रेनों को शिफ्ट किया जाएगा।

दरअसल, अमृत भारत योजना के तहत 15 माह में 25.50 करोड़ रुपये से विकसित गए गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन को विकसित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत गोविंदपुरी में हुए विकास कार्यों का लोकार्पण 22 मई को वर्चुअल ढंग से किया था।

मुंबई और दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल जैसे विकसित उत्तर मध्य रेलवे के पहले पिंक (महिला) स्टेशन गोविंदपुरी में सबसे चौड़ा पैदल पुल, प्लेटफार्म, आधुनिक सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। अब गोविंदपुरी स्टेशन से ट्रेनों के ठहराव में बड़ा फेरबदल होगा।

यहां वंदे भारत एक्सप्रेस के ठहराव की भी संभावना है। एक दर्जन विशेष ट्रेनें भी गोविंदपुरी के रास्ते लोकार्पण के बाद से चलाई गई हैं। अब जुलाई से दिल्ली-हावड़ा, लखनऊ-मुंबई रूट की अयोध्या, गोरखपुर व प्रयागराज समेत दूसरे जिलों को जाने वाली ट्रेनें भी गोविंदपुरी को मिल रही हैं।

अब सौ ट्रेनें गुजरेंगी गोविंदपुरी से

अगले माह से 40 ट्रेनें और रुकने लगेंगी। पहले से ही लगभग 60 ट्रेनें इस स्टेशन से गुजर रही हैं। इससे अब इनकी संख्या 100 हो जाएगी। इससे गोविंदपुरी के आसपास के एक दर्जन मुहल्लों समेत दक्षिण जिले के 30 लाख लोगों को बड़ा लाभ होगा। उन्हें सेंट्रल स्टेशन तक की भागदौड़ से छुटकारा मिल जाएगा, जबकि सेंट्रल पर ट्रेनों का लोड घट जाएगा।

इन रूट की मिलेंगी ट्रेनें

यहां वंदे भारत एक्सप्रेस के ठहराव की भी संभावना है। एक दर्जन विशेष ट्रेनें भी गोविंदपुरी के रास्ते लोकार्पण के बाद से चलाई गई हैं। अब जुलाई से दिल्ली-हावड़ा, लखनऊ-मुंबई रूट की अयोध्या, गोरखपुर व प्रयागराज समेत दूसरे जिलों को जाने वाली ट्रेनें भी गोविंदपुरी को मिल रही हैं।

पनकी व अनवरगंज में शिफ्ट होंगी 50 ट्रेनें

अमृत भारत योजना से विकसित हो रहे पनकी धाम व अनवरगंज रेलवे स्टेशन भी निकट भविष्य में यात्रियों के लिए और सहूलियत देंगे। इनमें भी 50 से अधिक ट्रेनें शिफ्ट की जाएंगी। कुछ और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के वाया कानपुर सेंट्रल चलने की उम्मीद है, जिससे रेलयात्रा सुगम होगी।

'माफियाओं के सामने नाक रगड़ते थे जाति के नाम पर बांटने वाले, कहा- एक रहोगे तो नेक रहोगे'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। दानवीर भामाशाह जयंती और व्यापारी कल्याण दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को लोकभवन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जातिगत विभाजन पैदा करने वालों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जाति के नाम पर समाज को बांटने वाले वही लोग हैं, जिन्होंने सत्ता में रहते हुए माफियाओं के सामने नाक रगड़ी और सरकार को गिरवी रख दिया था। उन्होंने कहा कि ये लोग पहले नौकरी के नाम पर वसूली करते थे, अब जाति के नाम पर बांटने का काम कर रहे हैं इसीलिए मैं कहता हूं कि बंटोगे तो कटोगे, एक रहोगे तो नेक रहोगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सबसे ज्यादा राजस्व कर देने वाले व्यापारियों को भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद को शिकागो धर्म सम्मेलन में भेजने के लिए

मैसूर के राजा चामराजेन्द्र वाडियार और खेतड़ी के राजा अजीत सिंह के सहयोग की चर्चा की। साथ ही बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को विदेश पढ़ाई के लिए वडोदरा के राजा सैयाजीराव गायकवाड द्वारा दी गई स्कॉलरशिप का जिक्र करते हुए कहा कि इन महापुरुषों के सहयोग में जाति कहां थी? ये सहयोग सात्विक और सकारात्मक भाव से किया गया, जिसके परिणामस्वरूप विश्व को विवेकानंद और अंबेडकर जैसे रत्न मिले। सीएम योगी ने कहा कि भामाशाह ने अकबर से लड़ने के लिए अपनी पूरी संपत्ति महाराणा प्रताप को दान कर दी और उनका यही त्याग 'नेशन फर्स्ट' की भावना का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2016 में लखनऊ में व्यापारी की निर्मम हत्या हुई। सुल्तानपुर में सराफा व्यवसायी को गोली मारी गई। उस समय की सरकार लुटेरों को संरक्षण दे रही थी। हमारी सरकार ने व्यापारी और बेटी की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए कहा कि उनकी सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों का टिकट यमराज काटेंगे। जब बदमाशों का हिसाब हुआ, तब जाति के नाम पर बांटने वाले घड़ियाली आंसू बहाने लगे। जाति के नाम पर बांटने वालों ने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' की तर्ज पर 'वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया' का मॉडल चलाया।

हर वर्ष प्रत्येक जनपद में आयोजित होगा व्यापारी कल्याण दिवस

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि हर वर्ष प्रदेश के शीर्ष 10 जीएसटी देने वाले व्यापारियों को लखनऊ और प्रत्येक जनपद के शीर्ष 10 व्यापारियों को स्थानीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। दुर्घटना का शिकार होने वाले पंजीकृत व्यापारियों को 10 लाख रुपये की सहायता भी इस दिन दी जाएगी।

रोजगार सृजन और नदी संरक्षण से जुड़े व्यापारी

मुख्यमंत्री ने श्रीमद्भगवद्गीता का उल्लेख करते हुए कहा कि धन की तीन गति होती हैं- दान, भोग और नाश। दान देश, काल और पात्र को देखकर किया जाए तो वह पीढ़ियों को यशस्वी बनाता है। भामाशाह का दान सात्विक था। उन्होंने ने व्यापारियों से कहा कि आप आज के 'भामाशाह' हैं। इस रूप में हर जिले में एक नदी के पुनरोद्धार, पौधरोपण और रोजगार सृजन से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, महापौर सुषमा खर्कवाल, हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, विधायक डॉ नीरज बोरा, राजेश्वर सिंह, व्यापारी कल्याण बोर्ड यूपी के पूर्व अध्यक्ष रविकांत गर्ग, संदीप बंसल, राज्य कर विभाग के प्रमुख सचिव एम. देवराज और संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद थे। वित्तीय वर्ष 2024-25 में सर्वाधिक कर देने वाले एवं समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यापारियों में रचना गर्ग (913 करोड़ जीएसटी), हेमंत शर्मा (436 करोड़), इंडियन आयल (13138 करोडड़ वैट), भारती एयरटेल (246 करोड़) और वरुण बेवेरेजेस (246 करोड़) के अलावा नितेश अग्रवाल, प्रतीश कुमार, राजेश कुमार अग्रहरि, डॉ मिथिलेश अग्रवाल, अरविंद चतुर्वेदी, अमित गुप्ता, पुष्पदंत जैन, दिनेश गोयल, साहिल गर्ग को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

रजिस्ट्री के कागज 20 हजार रुपये लेकर युवतीं

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले व्यक्ति ने अपनी नाबालिग पुत्री के गायब होने की शिकायत दर्ज कराई है। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले व्यक्ति के अनुसार उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री 25 जून की रात लगभग 10 बजे घर में रखे 20 हजार रुपये व जमीन की रजिस्ट्री लेकर गायब हो गई थी।जिसकी वह तलाश कर रहा था तभी उसे जानकारी मिली कि उसकी पुत्री को गोसाईगंज के बस्तियां गांव के रहने वाले रामनाथ का पुत्र जीवन द्वारा बहला फुसलाकर अगवा कर ले गया है। जिसकी शिकायत उसने पुलिस से की थी। जिसपर सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस मुकदमा पंजीकृत कर दोनों की तलाश कर रही है।

भूखण्ड पर बाउंड्री करा रही विधवा महिला को दबंगों ने दी जान से मारने की धमकी, तोड़ डाले पिलर

» देवर ने दी दबंगों के खिलाफ नामजद तहरीर, मुकदमा दर्ज

» सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली क्षेत्र के सरसावां, अर्जुन गंज की घटना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली क्षेत्र के सरसावां, अर्जुन गंज में अपने भूखण्ड की बाउंड्री करवा रही विधवा महिला को दबंगों ने जान से मारने की धमकी दी,बाउंड्री का काम कर रहे मजदूरों से अभद्रता करते हुए उन्हें भगा दिया, और पिलर उखाड़ कर फेंक दिए,पीड़िता के देवर ने सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली पुलिस को नामजद तहरीर दी है।

पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है। नागेन्द्र सिंह निवासी ग्राम सरसवा- पो अर्जुन गंज, लखनऊ में परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि उनके भाई स्व अनिल सिंह जिनका देहान्त करोना काल में हो गया था।उनकी पत्नी छाया सिंह व दो नाबालिग बेटियां हैं।आज छाया सिंह के भूखंड पर बाउंड्री बनाने का काम चल रहा था,तभी गांव के ही दबंग अमित सिंह मूल निवासी ग्राम खेतोई-पोस्ट खेतोई जिला हरदोई,और हाल पता सरसवा, अर्जुन गंज, व राम मूर्ति सिंह निवासी सरसवां, अर्जुन गंज, लखनऊ जो कि रिश्ते में मामा' भांजे हैं और भूमाफिया हैं ,कमजोरों की जमीन पर कब्जा कर लेते हैं। भूखण्ड पर लगे सारे पिलर गिरवा दिया ,और इधर उधर फेकवा दिया। सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

युवक की मौत पर दोस्तो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में स्थित इंद्रा डैम में डूब युवक की मौत के बाद उसके पिता ने मृतक के दो दोस्तों के खिलाफ शिकायत की है जिसपर पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। 146/36 हाथी खाना चरस मण्डी लखनऊ थाना नाका हिण्डोला के रहने वाले मनोज कुमार शर्मा के अनुसार 21 जून को अपराह्न लगभग 3 बजे उनके पुत्र शिवम शर्मा के दो दोस्त शेखर राजपूत निवासी बक्शी का तालाब व मोहित तिवारी निवासी कनक सिटी सरीपुरा राजाजीपुरम उनके घर आये और उनके बेटे से कहने लगे कि चलो घूम कर आते है। जिसपर पीड़ति व उनकी बहू ने बेटे को जाने से मना किया इसके बावजूद वो लोग थोड़ी देर में आने की बात कहकर बेटे को लेकर चले गए।शिवम जब काफी देर हो जाने के बाद भी घर नही पहुंचा तो उसकी पत्नी ने उसके फोन पर फोन किया तो फोन एक दरोगा ने उठाया और बताया कि शिवम इन्द्रा डैम में डूब गये है।जिसपर उनके परिजन मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक अंधेरा हो चुका था।इसलिए पुलिसवालों ने कहा अभी जाओ कल सुबह उसकी तलाश की जाएगी।22 जून को तलाश की गई लेकिन उसका कुछ पता नही चल सका था।23 जून को उसका शव गोसाईगंज क्षेत्र में जेल के पास इंद्रा नहर में उतराता हुआ दिखाई दिया था।पीड़ति का आरोप है कि शव दिखाई देने की सूचना हम लोगों ने पुलिस को दी थी लेकिन उस समय पुलिस मौके पट नहीं पहुंची।तब हम लोगों ने स्वयं किसी तरह शव को नहर से बाहर निकाला।उसके काफी देर बाद पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।पीड़ति ने पुलिस से शिकायत की है कि मृतक के दोनों दोस्तो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।जिसपर सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर तीखा हमला : गोरखपुर में जमीनों की लूट, विपक्षी नेताओं पर हमला लोकतंत्र पर हमला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश में जमीनों को लेकर भाजपा सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि पूरे उत्तर प्रदेश में "गोरखधंधा" चल रहा है, जिसमें गोरखपुर सबसे बड़ा उदाहरण बन गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में जहां भी जमीन दिखती है, वहां कब्जा करने और गरीबों को उजाड़ने की साजिशें शुरू हो जाती हैं।लखनऊ स्थित सपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि गोरखपुर में "विरासत गलियारा" के नाम पर व्यापारियों के मकान और दुकानों को जबरन ढहाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरकारी लूट है, जिसमें स्थानीय लोगों की जमीनें जबरन छीनी जा रही हैं और बाजार दर पर मुआवजा

न देकर जबर्दस्ती सहमति ली जा रही है।उन्होंने बताया कि जब नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे और विधान परिषद में नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव व्यापारियों की समस्याएं सुनने गोरखपुर पहुंचे, तो भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला किया। काफिले को रोकने के लिए रास्ते में बुलडोजर लगा दिया गया। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र पर हमला है, जो हिटलरशाही की याद दिलाता है।अखिलेश यादव ने चेतावनी दी कि भाजपा सरकार जिस तरह से जमीन हड़पने का अभियान चला रही है, उसका जनता मुंहतोड़ जवाब देगी। उन्होंने कहा, "अगर गोरखपुर के लोगों ने सच बोलना शुरू कर दिया, तो विरासत गलियारा नहीं, हिरासत गलियारा बनवाना पड़ेगा।"सपा अध्यक्ष ने कहा कि मुआवजा सहमति से नहीं, बाजार मूल्य के अनुसार दिया जाना चाहिए। उन्होंने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब खुद की जमीन दी जाती है, तो ऊंचे दाम लिए जाते हैं, लेकिन जब जनता की जमीन ली जाती है, तो उसे डराकर, धमकाकर औने-पौने दामों में कब्जा कर लिया जाता है।अखिलेश यादव ने कहा कि यही कारण है कि भाजपा अयोध्या और प्रयागराज में चुनाव हार चुकी है और वाराणसी में हारते-हारते बची है। अब गोरखपुर और मथुरा की बारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपने गृह जनपद गोरखपुर का लगातार दौरा करते हैं, फिर भी वहां न कानून है, न न्याय। हाल ही में एक 17 वर्षीय यूट्यूबर के साथ दुष्कर्म की घटना इसका प्रमाण है, जिसमें आरोपी भाजपा से जुड़ा है।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में पूरे प्रदेश में जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं, लखनऊ में तालाब तक कब्जा लिए गए हैं। मुख्यमंत्री के सलाहकार को भी जमीन घोटाले के चलते इस्तीफा देना पड़ा, जबकि जमीनों की सौदेबाजी में कई और लोग शामिल हैं।

नहाने के लिए नहर में कूदा मजदूर, डूबा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र में शनिवार को मजदूरी कर लौट रहा युवक नहाने के लिए पहाड़ नगर टिकरिया गांव के पर इंद्रानहर में कूदा था जिसमें पानी के तेज बहाव के चलते वह डूब गया। साथी मजदूर ने उसके कपड़े व साइकिल ले जाकर उसके परिजनों को देते हुए घटना की जानकारी दी। वहीं घटना की सूचना पाकर मौके पहुंच पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

पुलिस के अनुसार गोसाईगंज के सठवारा गांव का रहने वाला राम अवध (25) शनिवार की दोपहर करीब 3 बजे गांव के ही रामपाल के घर पहुंचा। जहाँ उसने उनके लड़के दीपक उर्फ कुलदीप (24) को कपड़े और साइकिल दी।और रामपाल को बताया कि उसका बेटा नहाने के लिए इंदिरा नहर में कूदा था। लेकिन पानी का बहाव तेज होने के कारण वह डूब गया।बेटे के डूबने की सूचना के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना पुलिस को दी।जिसके बाद पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंच गई।अवध राम ने पुलिस को पूछताछ के दौरान बताया कि वह दोनों मजदूरी करके घर वापस लौट रहे थे तभी दोनों ने खुर्दही में ठेके पर शराब पी और मुर्गा भी खरीदा। उसके बाद पहाड़नगर गांव के पास स्थित इंद्रानहर के पास पहुंचा नशे में धुत दीपक कपड़े उतार कर नहाने के लिए इंद्रानहर में कूद गया था। इंस्पेक्टर गोसाईगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश की गई लेकिन अभी तक उसका कुछ पता नहीं चल सका है।अब रविवार को एसडीआरएफ टीम की मदद से नहर में उसकी खोजबीन की जाएगी।वहीं परिजनों ने किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया है।

मायावती ने बीजेपी–कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा – संविधान से छेड़छाड़ नहीं सहेगी बहुजन समाज पार्टी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शनिवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता में केंद्र और राज्य की सरकारों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने भारतीय संविधान की प्रस्तावना से "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्ष" शब्द हटाने की मांग पर आरएसएस और भाजपा को कठघरे में खड़ा करते हुए चेताया कि संविधान विरोधी किसी भी प्रयास का देशभर में जबरदस्त प्रतिरोध होगा। उन्होंने कहा कि अगर बहुजनों के अधिकारों को छीनने की कोशिश हुई तो बीएसपी आंदोलन के मैदान में उतरेगी।मायावती ने अपने संबोधन में कांग्रेस और भाजपा दोनों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इन पार्टियों ने अपने-अपने राजनीतिक स्वार्थों और विचारधाराओं के अनुरूप बार-बार संविधान के साथ छेड़छाड़ की है। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा रचित संविधान सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय की भावना पर आधारित है, जिसे कमजोर करने के लिए आज भी योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि पहले कांग्रेस और अब भाजपा की सरकारें जनविरोधी नीतियों के जरिए बहुजन, गरीब, किसान, मजदूर, महिला, अल्पसंख्यक और वंचित वर्गों के हक छीनने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ये दोनों पार्टियां दिखावे में एक-दूसरे की विरोधी हैं, लेकिन संविधान संशोधन जैसे मामलों में भीतर ही भीतर एकजुट होकर फैसले लेती हैं।बीएसपी सुप्रीमो ने संविधान की प्रस्तावना में दर्ज शब्दों से छेड़छाड़ को बेहद खतरनाक बताते हुए कहा कि ये शब्द न केवल संविधान की आत्मा हैं, बल्कि करोड़ों दबे-कुचले लोगों की सामाजिक सुरक्षा की बुनियाद भी हैं। अगर इन्हें कमजोर किया गया तो बीएसपी और बहुजन समाज चुप नहीं बैठेगा।उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट सुधार के नाम पर भ्रम फैलाया जा रहा है, जिसे चुनाव आयोग को स्पष्ट करना चाहिए। साथ ही उन्होंने देश में बढ़ रही धार्मिक कट्टरता, जातीय टकराव, महिलाओं की असुरक्षा और आतंकवादी घटनाओं पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं आज भी सुरक्षित नहीं हैं, और सरकारों को इस पर गंभीरता से कदम उठाना चाहिए।देशभर में चल रही भाषायी राजनीति पर भी मायावती ने कहा कि सभी भाषाओं को संविधान के अनुरूप समान सम्मान मिलना चाहिए। भाषा के नाम पर टकराव खड़ा करना देश की एकता और संविधान की भावना के खिलाफ है।इस दौरान उन्होंने पार्टी संगठन की तैयारियों का भी ज़िक्र किया और बताया कि बीएसपी पूरे देश में संगठनात्मक मजबूती की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

बेकाबू बाइक सवार ने छात्र को रौंदा ट्रामा 2 में हुई मौत

लखनऊ। गोसाईंगंज इलाके में तेज रफ्तार बाइक सवार ने एक छात्र को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे आसपास के लोगो ने इलाज के लिए ट्रामा 2 ले गए जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक गोसाईगंज स्थित नई जेल के पास देव सिंह खेड़ा का रहने वाला समर (13) गांव के स्कूल से कक्षा 6 का छात्र था पिता दयाशंकर ने बताया कि उनका बेटा शुक्रवार देर शाम 7:30 बजे पैदल अपनी बाग जा रहा था रोड पार करते समय अचानक एक बेलगाम बाइक सवार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह उछल कर काफी दूर जा गिरा एवं गंभीर रूप से घायल हो गया वहां पर मौजूद परिचितों ने देखा तो घर वालों को सूचना दी जिनके द्वारा इलाज के गंभीर रूप से घायल समर को इलाज के लिए पीजीआई के ट्रामा 2 पहुंचाया गया जहां उसकी मौत हो गई।

कैटवॉक अकादमी को अंतरराष्ट्रीय पहचान, मिसेज यूनिवर्स 2025 के लिए अर्चना निरंजन भारत की प्रतिनिधि घोषित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। फैशन और पेजेंट्री की दुनिया में प्रशिक्षण देने वाली लखनऊ की कैटवॉक अकादमी ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। मॉडल ग्रूमिंग के क्षेत्र में अग्रणी इस संस्था को अब अंतरराष्ट्रीय पेजेंट के लिए नेशनल डायरेक्टरशिप लाइसेंस प्राप्त हुआ है, जिससे यह भारत की ओर से अधिकृत प्रतिनिधि चयन करने की पात्र हो गई है।अकादमी ने इस अवसर पर गर्व के साथ घोषणा की कि झांसी की रहने वाली मिसेज अर्चना निरंजन को मिसेज यूनिवर्स 2025 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। अर्चना एक सफल व्यवसायी हैं और विभिन्न राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं की विजेता रह चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने मिसेज यूनिवर्स ओशिनिया 2025 का खिताब

जीतकर देश का मान बढ़ाया है। अब वे 1 से 9 अक्टूबर 2025 तक फिलीपींस में आयोजित होने जा रही मिसेज यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।इसके साथ ही कैटवॉक अकादमी की एक अन्य छात्रा गौरी सिंह राजपूत का चयन ₹मिस टीन डीवा इंडिया₹ के फाइनल राउंड के लिए हुआ है, जो जुलाई 2025 में जयपुर में आयोजित होगा। यह दोनों उपलब्धियां कैटवॉक अकादमी की उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था और विशेषज्ञ मार्गदर्शन की पुष्टि करती हैं।कैटवॉक अकादमी भारत की उन चुनिंदा संस्थाओं में शामिल है जो मॉडलिंग, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, फैशन स्टाइलिंग, पेजेंट कोचिंग और प्रोडक्ट लिंकिंग जैसी सुविधाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराती हैं। यहाँ छात्रों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी पेशेवरों से प्रशिक्षण और मेंटरशिप प्राप्त होती है।संस्था के संस्थापक और निदेशक अमित सैमसन नानू के नेतृत्व में अकादमी ने अपने कोचिंग नेटवर्क को मजबूत किया है, जिसमें प्रमुख विशेषज्ञों का योगदान शामिल है—आशीया सहोता, मनीषा नानू, श्वेता सिंह, ज्योत्सना और शुभम कुमार जैसी हस्तियां इस अकादमी के साथ सक्रिय रूप से जुड़ी हैं। कार्यक्रम स्थल और आतिथ्य साझेदार के रूप में रेजेंटा सेंट्रल होटल लखनऊ का सहयोग भी उल्लेखनीय है।कैटवॉक अकादमी ने दोनों प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी हैं और आशा जताई है कि वे भारत के साथ-साथ संस्था का नाम भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर रौशन करेंगी।

अपने हिस्से का युद्ध' पुस्तक पर कैफ़ी आज़मी अकादमी में हुआ विमर्श, स्त्री विमर्श पर उठे नए प्रश्न

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। ,साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्था 'आकाशगंगा' न्यास की अध्यक्ष और चर्चित लेखिका शीला पांडे की नव प्रकाशित पुस्तक 'अपने हिस्से का युद्ध (स्त्री विमर्श)' पर आधारित एक विशेष परिचर्चा गोष्ठी का आयोजन कैफ़ी आज़मी अकादमी के सेमिनार सभागार में संपन्न हुआ। यह आयोजन न केवल साहित्यिक बल्कि सामाजिक सरोकारों को केंद्र में रखकर आयोजित किया गया, जिसमें स्त्री विमर्श की समकालीन और गहन परतों पर गंभीर मंथन हुआ।गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ आलोचक डॉ. इंदीवर पांडेय ने की, जबकि पूर्व कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं समाजसेविका डॉ. रूपरेखा वर्मा मुख्य अतिथि और वक्ता रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में साहित्यकार सत्येंद्र कुमार रघुवंशी और डॉ. रीता चौधरी ने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजीत प्रियदर्शी और स्वागत

वक्तव्य डॉ. रविशंकर पांडेय ने प्रस्तुत किया। आयोजन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वाणी वंदना से हुआ।डॉ. रूपरेखा वर्मा ने पुस्तक की समीक्षा करते हुए कहा कि यह रचना स्त्रियों के जीवन में व्याप्त विषमताओं और उससे उपजे संघर्षों को कई स्तरों पर उजागर करती है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक आत्मकथ्यात्मक स्त्री लेखन को एक नई दिशा देती है। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि स्त्री की समस्याओं को केवल पुरुष नहीं, बल्कि उस मानसिक-सामाजिक संरचना से जोड़कर देखा जाना चाहिए जिसने 'स्त्री बनाम पुरुष' का यह संघर्ष जन्म दिया।डॉ. इंदीवर पांडेय ने कहा कि शीला पांडे सामाजिक सरोकारों को बहुत बारीकी से पकड़ने वाली लेखिका हैं। उनके लेखन में अनुभव, पीड़ा और विमर्श की स्पष्टता मिलती है। उन्होंने इस पुस्तक को स्त्री विमर्श की दिशा में "एक अभिनव प्रयास" बताया, जिसमें लेखक ने मानसिक उत्पीड़न के अदृश्य आयामों को सामने लाने का प्रयास किया है।

सत्येंद्र कुमार रघुवंशी ने कहा कि यह पुस्तक आधी आबादी की जिजीविषा, अस्मिता और तर्कशीलता की सशक्त अभिव्यक्ति है। लेखिका ने उन सवालों को उठाया है जिन पर पुरुष समाज को ईमानदारी से विचार करना चाहिए।डॉ. रीता चौधरी ने पुस्तक को एक ₹क्रांतिकारी दस्तावेज₹ बताया, जिसमें स्त्री जीवन के हर चरण की चुनौतियों और संभावनाओं का साहसिक चित्रण है। उन्होंने कहा कि यह रचना वर्तमान समय के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में एक 'सजग चुनौती' है।लेखिका शीला पांडे ने पुस्तक के अंशों का पाठ करते हुए कहा, ₹बहुमूल्य सिक्के अपनी-अपनी तिजोरियों में बंद हैं, जिस दिन ये बाज़ार में सामूहिकता से उतर दिए गए, तो आधिपत्य और कारोबार में शीर्ष फलन स्वयं स्त्रियों की झोली में आ गिरेगा।₹डॉ. अजीत प्रियदर्शी ने कहा कि यह पुस्तक स्त्रियों के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय के संघर्ष का घोषणापत्र है। लेखक ने अपने आलेखों में "स्वतंत्र चेता स्त्री" के पक्ष में गहरे और अकाट्य तर्क प्रस्तुत किए हैं।कार्यक्रम में व्यंग्यकार डॉ. अरविंद तिवारी की पुस्तक पर लिखी गई विशेष टिप्पणी को कुमकुम शर्मा ने पढ़कर सुनाया।

लखनऊ में शातिर चोरों के गैंग का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार, लाखों की चोरी का सामान बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में लगातार हो रही घरों में चोरी की घटनाओं को लेकर चिंतित पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। उत्तरी जोन की क्राइम ब्रांच, सर्विलांस यूनिट और जानकीपुरम थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने एक सक्रिय चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अपराधियों में गैंग का सरगना राहुल गुप्ता भी शामिल है, जो लंबे समय से चोरी की वारदातों में लिप्त रहा है।

इस गिरोह का पर्दाफाश तब हुआ जब 18 जून को जानकीपुरम निवासी दुर्गेश कुमार मिश्रा ने अपने बंद घर का ताला टूटा पाए जाने और कीमती सामान व नकदी की चोरी की रिपोर्ट पुलिस को दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी उत्तरी के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई, जिसने आधुनिक तकनीकी साधनों और पारंपरिक खुफिया नेटवर्क की मदद से चारों अभियुक्तों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार अभियुक्तों में राहुल गुप्ता (गैंग लीडर), रामू रावत, विमलेश कुमार और राजीव रस्तोगी के पास से लगभग चार लाख रुपये नकद, भारी मात्रा में पीली व सफेद धातु के आभूषण, चोरी के औजार और घटना में प्रयुक्त एक बिना नंबर का ऑटो बरामद किया गया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में राजीव रस्तोगी एक सुनार है, जो चोरी का माल खरीदने में गिरोह की मदद करता था।गैंग का सरगना राहुल गुप्ता बेहद शातिर है और लखनऊ तथा बाराबंकी जिलों में उसके खिलाफ गैंगस्टर, आयुध अधिनियम और चोरी के कुल 15 मुकदमे दर्ज हैं। वह हर घटना के बाद अपना ठिकाना बदल लेता था, जिससे उसकी गिरफ्तारी कठिन हो जाती थी। उसके गिरोह के अन्य सदस्यों का भी लंबा आपराधिक इतिहास सामने आया है। रामू रावत और विमलेश कुमार पर भी जानकीपुरम, इंदिरानगर, सरोजनीनगर और बाराबंकी में कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे सुनसान और बंद मकानों की रेकी कर पहले से योजना बनाकर चोरी को अंजाम देते थे। चोरी के बाद सामान को आपस में बांटकर बेच देते और फिर कुछ दिन के लिए अलग-अलग स्थानों पर छिप जाते थे।इस सफल कार्रवाई में स्वाट प्रभारी शिवानंद मिश्रा, जानकीपुरम थाना प्रभारी विनोद कुमार तिवारी, सर्विलांस प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह और कई अन्य पुलिसकर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लखनऊ पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई तेज कर दी है और गिरोह के नेटवर्क की जांच की जा रही है, जिससे भविष्य में ऐसी वारदातों को रोका जा सके।पुलिस आयुक्त लखनऊ ने टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है और आमजन से अपील की है कि वे अपने घरों की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

गाजा में बीमार भूखे फिलिस्तीनियों की हत्याएं सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी

दक्षिणी शहर राफा में गवाहों ने कहा कि इजरायली सैनिकों ने गोलीबारी की, क्योंकि भीड़ जीएचएफ द्वारा संचालित एक अन्य खाद्य वितरण स्थल तक पहुंचने की कोशिश कर रही थी। दो गवाहों ने कहा कि वितरण स्थल से कई सौ मीटर दूर शाकौश क्षेत्र में हजारों फिलिस्तीनियों के इकठ्ठा होने पर इजरायली सैनिकों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

इजरायल-ईरान मिसाइल युद्ध ने जहां एक ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है, वहीं गाजा में निर्दोष और निहत्थे फिलिस्तीनियों की इजरायल द्वारा हत्या को लगभग अनदेखा किया गया। कथित तौर पर, अमेरिकी राहत संगठन द्वारा चलाये जा रहे सहायता केंद्रों या खाद्य केंद्रों के पास 450 फिलिस्तीनियों की हत्या की खबर आयी है। लेकिन तथाकथित इस्लामी देश और यहां तक कि भारत, जिसने हमेशा फिलिस्तीनी मुद्दों की वकालत की है, चुप है। सवाल यह है कि हम कब तक इजरायली सेना द्वारा भूखे फिलिस्तीनियों की इन क्रूर और अमानवीय हत्याओं को जारी रहने देंगे। पिछले 14 दिनों से ऐसा लग रहा है कि दुनिया गाजा को भूल गयी है। इन 14 दिनों के दौरान इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) द्वारा निहत्थे फिलिस्तीनियों को गोली मारे जाने की कई रिपोर्टें सामने आयी हैं। 17 जून को, दक्षिणी गाजा में इजरायली सेना द्वारा अमेरिकी-इजरायली सहायता के वितरण के दौरान एक ही दिन में 70 फिलिस्तीनी मारे गये - विशेष रूप से खान यूनिस और राफा में। डेली टाइम्स ऑफ इजरायल ने 25 जून को रिपोर्ट की कि गाजा में, इजरायली बलों ने (24 जून को 71 फिलिस्तीनियों को मार डाला, जिनमें कम से कम 50 लोग ऐसे थे जो सहायता प्राप्त करने की प्रतीक्षा कर रहे थे। मृतकों में कम से कम 27 लोग शामिल हैं जो मध्य गाजा में भोजन की प्रतीक्षा कर रहे नागरिकों पर इजरायली हमले में मारे गये, एक ऐसा हमला जिसमें दर्जनों लोग घायल भी हुए और एक राहत स्थल को एक फिलिस्तीनी अधिकारी ने 'मौत का खुला मैदान' कहा। कथित मौतों पर प्रतिक्रिया देते हुए, इजरायली रक्षा सेना (आईडीएफ)ने बाद में कहा कि मध्य गाजा में नेत्ज़ारिम गलियारे में उसके सैनिकों के 'आसन्न' क्षेत्र में रात भर एक भीड़ की पहचान की गयी थी, जहां अमेरिका और इज़राइल समर्थित गाजा मानवतावादी फाउंडेशन (जीएचएफ) सहायता समूह को भोजन वितरित करने के लिए जाना जाता है।

इस महीने की शुरुआत में, आईडीएफ ने फिलिस्तीनियों को स्थानीय समयानुसार शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे के बीच गाजा मानवतावादी फाउंडेशन साइटों की ओर जाने वाले मार्गों पर न जाने की चेतावनी दी थी, उन सड़कों को बंद सैन्य क्षेत्र बताया था। हालांकि, जीएचएफ ने विरोधाभासी रूप से संकेत दिया है कि यह उन घंटों के दौरान खुला हो सकता है।

मध्य गाजा में, तीन गवाहों ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि सेना ने तब गोलीबारी की जब लोग वादी गाजा के दक्षिण में सहायता ट्रकों की ओर पूर्व की ओर बढ़ रहे थे। 'यह एक नरसंहार था,' अहमद हलावा ने कहा। उन्होंने कहा कि टैंकों और ड्रोन ने लोगों पर गोलीबारी की, 'जब हम भाग रहे थे। कई लोग या तो शहीद हो गये या घायल हो गये।' एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी, होसम अबूशाहदा ने कहा कि ड्रोन क्षेत्र के ऊपर उड़ रहे थे, भीड़ पर नज़र रख रहे थे, फिर जब लोग पूर्व की ओर बढ़ रहे थे, तो टैंकों और ड्रोन से गोलीबारी हुई। उन्होंने लोगों द्वारा भागने की कोशिश के दौरान एक 'अराजक और खूनी' दृश्य का वर्णन किया।

दक्षिणी शहर राफा में गवाहों ने कहा कि इजरायली सैनिकों ने गोलीबारी की, क्योंकि भीड़ जीएचएफ द्वारा संचालित एक अन्य खाद्य वितरण स्थल तक पहुंचने की कोशिश कर रही थी। दो गवाहों ने कहा कि वितरण स्थल से कई सौ मीटर दूर शाकौश क्षेत्र में हजारों फिलिस्तीनियों के इक_ा होने पर इजरायली सैनिकों ने गोलीबारी शुरू कर दी। हमास स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी किये गये आंकड़ों के अनुसार, मई के अंत से सहायता मांगते समय इजरायली गोलीबारी में कम से कम 450 लोग मारे गये और लगभग 3,500 घायल हुए। बचाव कर्मियों के अनुसार, कई घटनाएं जीएचएफ द्वारा संचालित स्थलों के पास हुईं।

सहायता वितरण में हमास को रोकने के लिए स्थापित अमेरिका और इजरायल समर्थित संगठन जीएचएफ ने मंगलवार को इजरायली सेना से शिकायत की कि वादी गाजा साइट की ओर जा रहे 'हमारे काफिलों पर इजरायली सैनिकों द्वारा संभावित उत्पीड़न' किया जा रहा है। इजरायल ने कहा कि 79 मानवीय सहायता ट्रक सोमवार को केरेमशालोम और ज़िकिम क्रॉसिंग के माध्यम से गाजा पट्टी में प्रवेश कर गये, उसने वितरण स्थलों के पास संदिग्ध लोगों पर चेतावनी शॉट फायर करने की बात स्वीकार की है, लेकिन नागरिकों को निशाना बनाने या युद्ध के हथियार के रूप में भुखमरी का उपयोग करने से इनकार किया है, और हमास पर सहायता वितरण को हाईजैक करने और नागरिकों के बीच घुसने का आरोप लगाया है।

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते राहुल गांधी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया था- 'ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है।' अप्रैल 2025 को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे के दौरान बोस्टन में एक मीटिंग को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए, चुनाव पर बड़े सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है। ताजा संदर्भ राहुल गांधी ने 'मैच-फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा। ये कई अखबारों में छपा। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं और भाजपा ने सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया। यह कोई पहला ऐसा मौका नहीं है जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठया हो या फिर उन्हें कटघरे में खड़ा करने का काम किया हो। वो आदतन अक्सर ऐसा करते रहते हैं । भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित करता है जिसे संसद, राष्ट्रपति, विधानसभा और सभी निर्वाचित निकायों के चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने का दायित्व दिया गया है। यह संस्था न तो कार्यपालिका के अधीन है और न ही किसी राजनीतिक दबाव में काम करती है। भारतीय निर्वाचन आयोग केवल एक प्रशासनिक निकाय नहीं बल्कि विवाद-निराकरण और मतदाता-विश्वास निर्माण की भी जिम्मेदारी निभाता है। आयोग मतदान प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाने के लिए कई स्तर पर काम करता है।

राहुल गांधी सस्ती लोकप्रियता पाने के कुछ भी बयान देते हैं, पर तर्क और तथ्य की कमी होती है। इससे समाज में भ्रम फैलता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है।

राहुल गांधी सस्ती लोकप्रियता पाने के कुछ भी बयान देते हैं, पर तर्क और तथ्य की कमी होती है। इससे समाज में भ्रम फैलता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। विदेशी धरती पर जाकर वो देश का अपमान, मोदी सरकार की आलोचना और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का कोई अवसर चूकते नहीं हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि 'भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है।' उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है। खासकर तब जब भारत में लगातार चुनाव होते रहे हैं और सरकारें बदलती रहीं हैं। बीते 10-11 वर्षों में देश में कई ऐसी सरकारें बनी हैं, जिसे बीजेपी को हराने के बाद कांग्रेस को मौका मिला है। मतलब, अगर नतीजे राहुल और उनकी पार्टी के लिए अच्छे रहें तो लोकतंत्र ठीक है और नहीं तो वह 'ब्रोकेन हो जाता है। सितंबर 2023 में राहुल गांधी ने ब्रसेल्स में यूरोपियन यूनियन में कहा कि भारत में 'फुल स्केल एसॉल्ट' हो रहा है। उन्होंने भारतीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर संदेह जताया। मई 2022 में लंदन में 'आइडियाज फॉर इंडिया' सम्मेलन में राहुल ने कहा कि भारत की संस्थाएं 'परजीवी' बन गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'डीप स्टेट' (सीबीआई, ईडी) भारत को चबा रहा है। यहां 'डीप स्टेट' का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। यहां 'डीप स्टेट' का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। राहुल गांधी ने भारत की तुलना पाकिस्तान जैसे अस्थिर लोकतंत्र से भी कर दी।

2017 में ही अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा कि भारत अब वह नहीं रहा जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। उन्होंने विदेश की धरती पर भारत में 'फ्री स्पीच' की स्थिति पर संदेह पैदा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत में सहनशीलता खत्म हो गई है। जबकि, हकीकत ये है कि राहुल गांधी संसद से लेकर बाहर तक जब जो जी में आता है, बयान देते रहे हैं और सरकार को छोड़ दें, शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची हो, जिस पर उन्होंने निशाना न साधा हो।

राहुल गांधी यह क्यों भूल जाते हैं कि भारतीय चुनाव आयोग ने ही वे चुनाव संपन्न करवाए हैं, जिनके दम पर वह आज विपक्ष के नेता पद पर बैठे हुए हैं। उनके परिवार के तीन-तीन सदस्य इन्हीं चुनावी प्रक्रियाओं का सहारा लेकर संसद में मौजूद हैं। यहीं की संवैधानिक संस्थाओं ने उन्हें इतनी राहत दी हुई है कि नेशनल हेराल्ड केस में गंभीर आरोपों के बावजूद वो और उनका मां सोनिया गांधी को जमानत मिली हुई है। बीते कुछ वर्षों में राजनीतिक तौर पर भले ही भारत की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने का चलन बन गया हो लेकिन भारत के चुनाव आयोग की प्रशंसा केवल देश के भीतर ही नहीं संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों और कई विदेशी सरकारों द्वारा भी की गई है। हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के 2020 के एक अध्ययन में भारत के चुनाव आयोग को 'वन ऑफ़ दी मोस्ट रोबस्ट इलेक्टोरल इंस्टीटूशन्स ग्लोबली' (विश्व स्तर पर सबसे मजबूत चुनावी संस्थाओं में से एक) कहा गया। यही नहीं, 2014, 2019 और 2024 के आम चुनावों में भारत ने पूरी दुनिया को दिखाया कि तकनीक, प्रशिक्षण और जनता की भागीदारी के माध्यम से एक निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संभव है। बीती मई को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने से चुनाव आयोग से मुलाकात कर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया था। यह बातचीत निर्वाचन आयोग की उस नई पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सीधे तौर पर सुनकर चुनावी प्रक्रिया को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाना है। चुनाव आयोग अब तक देशभर में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन बैठकों में अब तक 28,000 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया है।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से लिखित में तथ्यों की मांग की और चर्चा के लिए भी आमंत्रित किया है और अब यह दायित्व बनता है कि आरोप लगाने वाले नेता उन्हें उचित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करें। हालांकि राहुल गांधी के पूर्व रिकार्ड के हिसाब से ऐसा लग नहीं रहा है कि वो चुनाव आयोग के सामने जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अभिषेक सिंघवी, विवेक तन्खा जैसे बड़े वकीलों और पार्टी के अन्य नेताओं को रखा हुआ है। राहुल गांधी का काम सिर्फ आरोप लगाना है। अगर एजेंसी आरोपों को जवाब देना चाहती है तो वह सुनना उनका काम नहीं है। कमोबेश ऐसा ही आचरण उनका संसद में भी है। असल में] राहुल गांधी आरोप लगाकर, सामने वाले का पक्ष या जवाब सुनने की बजाय कोई नया आरोप लगाने की तैयारी में जुट जाते हैं। तथ्य और तर्क से उनका कोई लेना देना नहीं रहता। तथ्य यह भी है कि नवंबर 2024 में विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस की ओर से इसी तरह के मुद्दे उठाए गए थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस पार्टी को एक विस्तृत जवाब दिया था, जिसकी प्रति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि राहुल गांधी इस अध्याय का पटाक्षेप नहीं चाहते हैं। उनकी पार्टी इस मामले को जिंदा रखना चाहती है ताकि आगे के चुनाव नतीजों को सुविधा को हिसाब से संदिग्ध बनाया जा सके।

अजब-गजब

बॉस ने छुट्टी पर गई महिला से कर दी ऐसी डिमांड, सुनते ही हुई आगबबूला

एक मलेशियाई कंपनी की महिला कर्मचारी ने अपने बॉस पर पेशेवर सीमाओं का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, क्योंकि बॉस ने उस पर छुट्टी के दौरान लाइव लोकेशन शेयर करने का दबाव डाला था, ताकि यह साबित हो सके कि वह वाकई में छुट्टी पर थी। इस घटना ने सोशल मीडिया पर काफी बवाल मचा दिया है, जिससे कर्मचारी अधिकारों और कार्यस्थल पर निगरानी को लेकर बहस छिड़ गई है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, भड़की महिला कर्मचारी ने सोशल मीडिया पर @_nnadrahhh हैंडल से इस घटना की जानकारी देते हुए लोगों से सवाल किया कि क्या किसी बॉस द्वारा किसी कर्मचारी से उसका लाइव लोकेशन पूछना स्वीकार्य है, वो भी तब जब उसकी छुट्टी मंजूर हो गई हो?

महिला ने बताया कि उसके बॉस ने इसे अनिवार्य बना दिया है, और यह विदेश यात्राओं के लिए भी लागू होता है। इसके साथ ही बॉस ने चेतावनी दी कि जो भी इसका पालन नहीं करेंगे, उन्हें 'अनुपस्थित' माना जाएगा, भले ही उनकी छुट्टी मंजूर हो गई हो। महिला ने कहा कि जब तक उसने अपने लोकेशन का खुलासा नहीं किया, तब तक उसकी छुट्टी की रिक्वेस्ट पेंडिंग थी।

उसने खुलासा किया कि वह अपनी छुट्टियां बिताने के लिए मलेशिया के एक द्वीप पर गई थी, और उसने अपने बॉस को समुद्र किनारे मौज-मस्ती करते हुए अपनी एक तस्वीर भेजी थी। लेकिन लाइव लोकेशन शेयर करने से मना कर दिया, जिसके कारण उसके बॉस ने उसे कई बार फोन किया।

कई सोशल मीडिया यूजर्स ने बॉस की दखलअंदाजी वाली इस नीति की कड़ी निंदा की और इसे अस्वीकार्य बताया। महिला ने यह भी दावा किया कि सिक लीव अनपेड लीव पर रहने वाले कर्मचारियों से भी यही मांग की गई। महिला ने कहा कि अगर उसके नियोक्ता ने दोबारा ऐसी कोई मांग की, तो वह श्रम विभाग के समक्ष इस मामले को उठाने पर विचार करेगी।

ब्लॉग

एससीओ में आतंकवाद पर चले पारस्परिक दांवपेंच के मायने समझिए और इसका स्थायी हल ऐसे निकालिए

कमलेश पांडे

जब इजरायल जैसा छोटा-सा यहूदी देश अपने शौर्य, पराक्रम और कूटनीति जनित तकनीकी विकास के बल पर ईरान जैसे कट्टर शिया इस्लामिक देश का मुकाबला कर सकता है, तो भारत जैसा विशाल हिन्दू राष्ट्र अपने शौर्य, पराक्रम और कूटनीति जनित तकनीकी विकास के बल पर पाकिस्तानी/पूर्वी पाकिस्तान (बंगलादेश) जैसे कट्टर सुन्नी देश का मुकाबला कर सकता है। बस जरूरत सिर्फ इस बात की है कि जैसे अमेरिका के प्रति इजरायल समर्पित होकर उसका साथ लेता रहता है, वैसे ही हमें रूस के प्रति वफादारी निभाकर (क्योंकि वह हमारे दुःख का जांचा-परखा भरोसेमंद अंतरराष्ट्रीय साथी है) उसका पक्का साथ हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए।

ऐसा इसलिए कि रूस जब भारत के साथ रहेगा तो अमेरिका, यूरोप, चीन और इस्लामिक देश भी अपनी हद में रहेंगे। वहीं, जब रूस को भारत का खुला साथ मिलेगा तो अमेरिका, यूरोप, चीन और इस्लामिक देश रूस को आंख नहीं दिखा पाएंगे। सच कहूं तो रूस के तकनीकी विकास को यदि भारत की जनसंख्या का साथ और सैन्य सहयोग मिल जाए तो वह दुनिया फतह तो करेगा ही, भारत की रक्षा भी होती रहेगी। इसके अलावा, इजरायल और रूस के बीच भारत जैसी दोस्ती कैसे बनेगी, इस दिशा में भी भारत को सोचना होगा। क्योंकि ग्रेटर इजरायल, ग्रेटर इंडिया और ग्रेटर रूस की अवधारणा को साकार करके न केवल यूरोप को काबू में रखा जा सकता है, बल्कि चीन भी इस त्रिकोण के बनने के बाद अपनी शैतानी भूल जाएगा, खासकर पड़ोसियों के खिलाफ।

रही बात, आतंकवाद के निर्यातक देश ईरान (शिया बहुल आतंकी) और पाकिस्तान (सुन्नी बहुल आतंकी) की, तो इनकी जैसी अप्रत्याशित धुनाई इजरायल-अमेरिका और भारत-रूस ने की है, वह हर आतंकवादी घटना के बाद जोर पकड़नी चाहिए। यही वजह है कि भारत का ऑपरेशन सिंदूर और इजरायल का ऑपरेशन..... अभी भी जारी रहेगा। रही बात सोवियत संघ के पतन के बाद रूस-चीन के नेतृत्व में बने एससीओ की, जिसे नाटो और विघटित सीटो से जुड़े अमेरिका-यूरोप परस्त एशियाई देशों से मुकाबला करने के लिए बनाया गया है, उससे रूस की सहमति लेकर भारत तबतक अलग रहे, जबतक कि चीन-पाकिस्तान जैसे देश आतंकवादियों के खिलाफ भारतीय दृष्टिकोण को स्वीकार न कर लें। वहीं, भारत-रूस-इजरायल और आतंकवाद विरोधी मुस्लिम देशों का एक ऐसा संगठन तैयार करे, जो अमेरिका-चीन प्रोत्साहित आतंकवादी हरकतों से न केवल ऑन द स्पॉट निबटे, बल्कि इनको हथियार देने वाली कम्पनियों पर भी हमले की रणनीति बनाए। उन्हें ब्लैकलिस्ट करे। यह यूएनओ का कार्य है, लेकिन यह अमेरिका-चीन तिकड़म पसंद सफेद हाथी बन चुका है। यह बात मैं इसलिए कह रहा हूँ कि जिस तरह से दुनिया के दो पुराने धर्मों हिन्दू व यहूदी धर्म के खिलाफ इस्लाम आक्रामक है, आतंकवादी पैदा करता है, अमेरिका-चीन से हथियार व आर्थिक मदद लेकर इनकी हथियार व सुरक्षा उपकरण निर्माता कम्पनियों के कारोबार विस्तार में मदद करता है, उसकी रीढ़ तोड़नी होगी। यह कार्य गुटनिरपेक्ष देश भारत कर सकता है, लेकिन उसे रूस, इजरायल के अलावा जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, फ्रांस, जर्मनी, ब्राजील, दक्षिण अफ़्रीका, सऊदी अरब जैसे दूसरी पंक्ति के देशों को साधकर चलना होगा।

यही वजह है कि जब शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) के सम्मेलन में चीन और पाकिस्तान ने आतंक के खिलाफ भारत की लड़ाई को कमजोर करने का प्रयास किया तो भारत ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम में जब भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार करके स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकवाद पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। एससीओ बैठक में रक्षा मंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि आतंकियों, उनके समर्थकों फडिंग करने वालों और सीमा पार से आतंक फैलाने वालों को जवाबदेह ठहराना जरूरी है। लेकिन, जब भारत ने यह प्रस्ताव दिया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले को संयुक्त बयान में शामिल किया जाए तो चीन और पाकिस्तान ने इसका विरोध किया। जबकि पाकिस्तान की ओर से यह कोशिश की गई कि बलूचिस्तान में हुई घटनाओं और वहां की स्थिति को संयुक्त बयान में जगह मिले। इससे साफ है कि यह सबकुछ एक सोची-समझी रणनीति थी। देखा जाए तो वर्तमान एससीओ अध्यक्ष होने के नाते सदस्यों के बीच संतुलन की जिम्मेदारी चीन की थी, लेकिन उसने हमेशा की तरह पाकिस्तानी अजेंडे को आगे बढ़ाया। हालांकि भारत के दो टूक रुख से उसे करारा झटका लगा है। क्योंकि संयुक्त बयान जारी न होना उसकी अध्यक्षता की एक बड़ी नाकामी है। वहीं, पुरानी चाल चलते हुए बलूचिस्तान के मानवीय संकट को आतंकवाद का रूप देकर पाकिस्तान वहां के लोगों पर हो रहे अत्याचारों को छिपाना चाहता है। इसके अलावा, वह भारत पर झूठे आरोप लगाकर अंतरराष्ट्रीय सहानुभूति बटोरने की पुरानी रणनीति पर चल रहा है। चीन इसमें पाकिस्तान का हर कदम पर समर्थन कर रहा है। इससे स्पष्ट हैं कि चीन एससीओ के गठन के मकसद को भुला दिया है।

बता दें कि एससीओ की स्थापना इसलिए की गई थी, ताकि सोवियत संघ के विघटन के बाद एशियाई इलाके में शांति और सुरक्षा बनी रहे। जबकि चीन और पाकिस्तान ने एससीओ की इस मूल भावना के विपरीत काम किया है। ऐसा इसलिए कि दोनों देश अमेरिका के एजेंट्स हैं। कोई पहले रह चुका है और कोई अबतलक है। यह स्थिति रूसी रणनीति के खिलाफ है। क्योंकि अपने तुच्छ हितों के लिए चीन-पाकिस्तान के नापाक गठजोड़ ने ऑर्गनाइजेशन के मकसद को भुलाकर एक नया कूटनीतिक संकट पैदा कर दिया। जिससे संगठन पर असर पड़ सकता है, क्योंकि भारत का अब इसमें बने रहने का कोई औचित्य नहीं है। भारत को उन सभी संगठनों से अलग हो जाना चाहिए, जो अमेरिका विरोधी हो और जिसमें चीन-पाकिस्तान मौजूद हैं। चूंकि भारत, अपने मित्र रूस के कहने पर इन संगठनों की सदस्यता लेता है, इसलिए भारत के हितों की रक्षा की जिम्मेदारी रूस की भी बनती है। कहा जाता है कि जब कोई संगठन अपने ही मूल सिद्धांतो से पीछे हूटने लगे, तो फिर उसका अंतरराष्ट्रीय कद और प्रभाव भी गिरने लगता है। कहीं अमेरिकी इशारे पर एससीओ इसका शिकार न हो, इसके लिए दूसरे सदस्य देशों यथा रूस व रूसी गणराज्य से अलग हुए मध्य एशियाई देशों को चीन-पाकिस्तान की चालबाजियों को समझना होगा और इनकी स्थायी काट तलाशनी होगी। क्योंकि ये अमेरिकी एजेंट्स की भांति कार्य करते हैं और रूस को मजबूत होने देना नहीं चाहते हैं।

इसलिए भारत को चाहिए कि वह अमेरिका और चीन विरोधी देशों यानी ग्लोबल साउथ का एक अलग गुट बनाये और उन्हें सशक्त सैन्य नेतृत्व दे। वहीं अमेरिका-रूस के नेतृत्व वाले संगठनों की सदस्यता ले, क्योंकि चीन व इस्लामिक देशों, यथा- पाकिस्तान, बंगलादेश (पूर्वी पाकिस्तान) के संयुक्त षड्यंत्रों और धर्म के नाम पर इन्हें समर्थन देने वाले देशों के समूल नाश के लिए यह जरूरी है। इससे इजरायल से बेहतर अंतरराष्ट्रीय पार्टनर कोई नहीं हो सकता। हां, अमेरिका-चीन के साथ चूहे-बिल्ली वाली कूटनीति जारी रहनी चाहिए और पाकिस्तान-बंगलादेश को कूटने वाली रणनीति से भी कोई समझौता नहीं करना चाहिए। इसके अलावा, चीन से व्यापार घाटे को कम करने या उससे व्यापार शून्य करने की स्पष्ट रणनीति बनानी चाहिए, ताकि हमसे कमाकर ही वह हमारे खिलाफ अपनी सेना को मजबूत नहीं कर पाए।

सोते वक्त सिर पर मारी कुल्हाड़ी, देवरिया में स्कूल प्रबंधक की हत्या, दहशत में लोग

आर्यावर्त संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां रुद्रपुर थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव के राम नगर टोले में बीती रात सोते समय एक प्राइवेट स्कूल प्रबंधक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। स्कूल प्रबंधक अपने स्कूल में ही सो रहे थे। हत्यारे ने उनके सिर पर कुल्हाड़ी से वार किया और उनकी हत्या कर दी। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस अधीक्षक सहित तमाम थानों की पुलिस पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। वहीं फोरेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड टीम सहित तमाम लोग घटना की छान बीन के लिए वहां पहुंच चुके हैं

रुद्रपुर के फतेहपुर गांव के रामनगर टोले में डी डी एम पब्लिक स्कूल है, जहां के प्रबंधक धनंजय पाल थे। इनकी उम्र 55 वर्ष के करीब थी। बीती रात वे स्कूल कैंपस में सो रहे थे तभी अज्ञात अपराधियों ने उनकी निर्मम हत्या कर दी।

घटना की जानकारी जैसे ही लोगों को हुई, गांव और उसके आस पास के सैकड़ों लोग घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए। इस घटना के बाद हुए पूरे इलाके में डर का माहौल बन गया है।

पुलिस के सामने कई सवाल

पुलिस मर्डर की गुत्थी सुलझाने का प्रयास कर रही है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है। पुलिस के सामने कई सवाल हैं, जिसे वह तलाशने का प्रयास कर रही है। अब देखना है कि इस मर्डर के पीछे की मुख्य वजह क्या है।

हत्या में इस्तेमाल हथियार बरामद

छानबीन के दौरान पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किये गये हथियार को भी बरामद कर लिया है। मौके पर मौजूद पुलिस कप्तान विक्रांत वीर ने कहा कि स्कूल भवन में हत्या हुई है हमारी टीम जांच कर रही है हत्यारों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बता दें कि उत्तर प्रदेश का यह गांव दो साल पहले भी चर्चा में था, जब फतेहपुर गांव के एक टोले में जमीन विवाद में 6 लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई थी।

पति ने छिपाया वो 'राज', पता लगते ही पत्नी पहुंची थाने, बोली– मालूम होता तो खुर्शीद से नहीं करती शादी

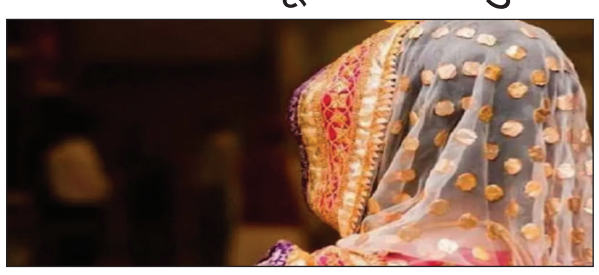

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी पहली पत्नी को मृत बताकर और झूठ बोलकर दूसरा निकाह कर लिया। बाद में फोन कॉल के जरिये दूसरी पत्नी को पति के पहले निकाह की बात पता चली। फिर व्यक्ति अपने पूरे परिवार के साथ फरार हो गया। अब दूसरी पत्नी ने पति के खिलाफ थाने में धोखधड़ी से निकाह करने का आरोप लगया है और शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश कर रही है। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के महाराजगंज की निवासी जैनब और खुर्शीद की शादी हुई थी। महिला अपने पति के साथ हरिद्वार के भगवानपुर में किराये के मकान में रह रही थी। वो गुरुवार को लिसाड़ी गेट थाने पहुंची और पति पर आरोप लगया कि उसके पति ने उसे धोखे में रखकर निकाह किया है।

पीड़ित महिला ने क्या बताया?

पीड़ित महिला ने बताया कि साल भर पहले समर गार्डन के रहने वाले खुर्शीद से उसकी मुलाकात हुई थी। इसके बाद खुर्शीद ने उसको अपने प्रेमजाल में फांसा। फिर खुर्शीद ने उससे कहा कि उसकी पहली पत्नी की मौत हो चुकी है। उसने (आरोपी ने) बताया कि परिवार में एक बेटा और दो बेटियां हैं। इसके बाद उन दोनों ने निकाह कर लिया।

फोन आया तो खुला राज

पीड़िता ने बताया कि उसके पति ने शादी के बाद उसे भगवानपुर में किराये के मकान में रखा। एक दिन पति बाथरूम में था। उसी समय उसके मोबाइल पर एक फोन आया। फोन उसने उठा लिया। फोन पर महिला बोल रही थी। उसने महिला से पूछा तो महिला ने कहा कि वो खुर्शीद की पत्नी बोल रही है। इसके बाद से हंगामा मच गया। घटना के 15 दिन से खुर्शीद घर नहीं आया। फिर पीड़िता थाने गई और पुलिस में शिकायत की। पुलिस ने आरोपी के घर दबिश दी, लेकिन पूरा परिवार घर से फरार हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

'1 करोड़ दो नहीं तो दोनों बेटों की मिलेगी लाश...'

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक किसान परिवार इन दिनों दहशत में जी रहा है। दरअसल, बहेड़ी के राईनवादा गांव के रहने वाले किसान सुरेंद्र कुमार गंगवार से कुछ अज्ञात लोगों ने वाट्सऐप पर 1 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है। इतना ही नहीं, फिरौती न देने पर उनके दो बेटों की हत्या कर उसकी वीडियो भेजने की धमकी भी दी। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किसान का परिवार अब अपने घर में भी डर-डर कर रह रहा है।

किसान सुरेंद्र कुमार गंगवार की करीब 175 बीघा खेती की जमीन है। उनके दो बेटे दीपक और सूरज हैं। सुरेंद्र ने बताया कि 22 जून को दोपहर करीब 12:45 बजे उनके मोबाइल पर एक अंजान नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वाले ने सीधे 1 करोड़ रुपये की फिरौती की मांग रख दी।

जब सुरेंद्र ने बात को गंभीरता से नहीं लिया, तो धमकी देने वाले ने कहा कि अगर पैसे नहीं दिए तो दोनों बेटों की हत्या कर उनकी वीडियो भेज देगा। पहली बार में सुरेंद्र ने कॉल को मजाक या फर्जी समझकर नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने नंबर को ब्लॉक भी कर दिया। मगर मामला यहीं नहीं रुका। 25 जून को सुबह 10:10 बजे फिर उसी शख्स ने दूसरे नंबर से व्हाट्सएप कॉल की। इस बार उसने कहा,तुमने हमारी बात को हल्के में लिया, अब देख लेना। इसके बाद उसने बताया कि 24 जून की रात तुम्हारे घर के बाहर फायरिंग की गई है। सुरेंद्र ने बताया कि सच में 24 जून की रात करीब 1:10 बजे उनके घर के बाहर से गोली चलने की आवाज आई। पहले तो परिवार के लोग कुछ समझ नहीं पाए, लेकिन बाद में बाहर जाकर देखा तो वहां कुछ खोखे पड़े थे। ये सब देखकर पूरा परिवार दहशत में आ गया। अब बच्चों को बाहर भेजने तक से डरने लगे हैं।

पुलिस जांच में जुटी, सीसीटीवी खंगाले जा रहे

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सुरेंद्र कुमार की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा लिखा है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि आखिर फायरिंग किसने की। गांव के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। थानाध्यक्ष का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। पुलिस की टीमें अलग-अलग एंगल से जांच कर रही हैं। परिवार में दहशत, खेती-बाड़ी पर भी असर इस घटना के बाद सुरेंद्र का पूरा परिवार बुरी तरह घबरा गया है। उन्होंने कहा कि बच्चे स्कूल-कॉलेज भी डर-डर कर जा रहे हैं। खुद सुरेंद्र भी खेतों पर जाने में हिचक रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसी घटना पहले यहां कभी नहीं हुई थीं। अब गांव के लोग भी चिंतित हैं कि आखिर कौन लोग इस तरह की हरकतें कर रहे हैं। पुलिस का भरोसा है कि जल्द ही बदमाशों का सुराग लग जाएगा और किसान परिवार को राहत मिलेगी।

चिटफंड कंपनी के पूर्व मैनेजर ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

बाराबंकी। सफदरगंज थाना क्षेत्र में बहुचर्चित व विवादित चिटफंड कंपनी एलयूसीसी के पूर्व मैनेजर का शव शनिवार की सुबह आम के बाग में एक पेड़ से लटकता मिला। वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेद दिया है और जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सफदरगंज थाना क्षेत्र के भवानीपुर मजरे केवलापुर गांव निवासी स्वामी दयाल मिश्रा (50) की मौत हुई है। सुबह करीब 6 बजे घर से करीब 100 मीटर दूर बाग में उसका शव पेड़ की डाल से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना के बाद से गांव में शोक का माहौल है। उधर, पोस्टमार्टम हाउस पर बड़ी संख्या में एजेंट एकत्र हो गए। उनका कहना है कि असली गुनहगार कंपनी के बड़े अधिकारी हैं।

'चलो तुमको मायके छोड़ आऊं...', पति ने बीवी को कार में किया बेहोश, फिर दो महीने की शादी में वफा का दिया ये सिला

आर्यावर्त संवाददाता

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा में एक महिला ने अपने ही पति के खिलाफ SSP को शिकायत दी है। महिला ने बताया- साहब! मेरे पति ने मुझे कहा कि चलो मायके छोड़ आता हूं। फिर कार में उसने मुझे बेहोश कर दिया। बाद में जब मेरी आंख खुली तो मैंने खुद को नहर के किनारे पाया। महिला ने पति पर दहेज के प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है।

महिला की दो माह पूर्व शादी हुई है। एसएसपी ने संबंधित थाना पुलिस को जांच के आदेश दिए हैं। मामले में पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार आगरा के थाना बाह में जैतपुर कलां चर्तुभुजपुरा की रहने वाली श्याम वती ने बताया कि उसकी शादी 30 अप्रैल को सिविल लाइन अड्डा जुहाना के किताब सिंह से हुई थी।

आरोप है कि शादी के बाद से ही उसे अतिरिक्त दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा था। महिला ने आरोप लगाया कि उसको कमरे में बंद करके मुंह में कपड़ा ठूसकर मारपीट भी की गई। गुरुवार को शाम पति मायके छोड़ने के बहाने अपने दोस्त की कार से ले गया। रास्ते में नशीली दवा छिड़ककर उसने बेहोश कर दिया।

इकदिल नहर के पास फेंका

महिला का कहना है कि कुछ समय बाद होश आने पर उसने खुद को इकदिल नहर के पास पाया। वहां से राह चलते एक युवक से मोबाइल लेकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस उसे थाने ले गई। फिर वहां से परिजन घर ले गए। शुक्रवार को परिजनों संग एसएसपी कार्यालय शिकायत करने पहुंची और पति के खिलाफ कार्रवाई के लिए मांग की। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि महिला के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। पति से भी पूछताछ की जाएगी। मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

दुकान से मिलावटी खाद पकड़ी, पिता पुत्र पर दर्ज हुआ मुकदमा

बाराबंकी। मोहम्मदपुरखाला थाना क्षेत्र में खाद में मिलावट कर किसानों को गुमराह करने के मामले में जिला कृषि अधिकारी की तहरीर पर दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इसके साथ ही जिला कृषि अधिकारी ने उर्वरक के फुटकर विक्रेताओं से पीओएस मशीन को एल-0 की एल-1 से रिप्लेस कराने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि बीते 26 जून को मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के गौरा सैलक के राजेश वर्मा के मकान में किसान का साथी एग्रो प्रोडक्ट कम्पनी, न्यूटीकेयर बायो साइंस प्रा0लि0 बरेली के बायोस्टूमिलन्ट की पैकेटे एवं भूमि वरदान एग्रो प्रोडेक्ट कम्पनी की बरामद पैकेटे, कम्पनी के खाली रैपर, सिलाई मशीन आदि बरामद स्टाक की जांच में यह पाये जाने पर राजेश वर्मा पुत्र लालजी वर्मा जो कि न्यूटीकेयर बायो साइंस प्रा0लि0 बरेली की कम्पनी में सिल्वर डायरेक्टर के पद पर कार्यरत हैं।

फिरोजाबाद में आगरा–कानपुर नेशनल हाईवे पर चलती बाइक पर कपल के रोमांस का वीडियो वायरल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। रियल लाइफ को दरकिनार कर आजकल युवा रील लाइफ को वरीयता दे रहे हैं। इसके लिए वे बेशर्मी की हद को पार कर रहे हैं और ऐसी शर्मनाक हरकतें कर रहे हैं, जिनको देख लोग नजर झुकाने पर मजबूर हैं। नेशनल हाईवे या फिर स्टेट हाईवे पर कार में अश्लीलता के तमाम प्रकरण सामने आने के बाद अब बाइक पर भी लोगों को खुल्लमखुल्ला रोमांस करने में शरम नहीं आ रही है। गौतमबुद्ध नगर में बाइक पर युवक-युवती के रोमांस पर तो पुलिस ने 53 हजार रुपये का चालान किया था। ताजा प्रकरण सुहागनगरी फिरोजाबाद का है, जहां शुक्रवार रात से आगरा–कानपुर नेशनल हाईवे पर चलती बाइक पर कपल के रोमांस का वीडियो वायरल है। राहगीर ने पहले तो उनको समझाया, लेकिन उनके न मानने पर वीडियो वायरल कर दिया। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस वीडियो का संज्ञान लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। फिरोजाबाद में शुक्रवार रात करीब 10 बजे युवक-युवती चलती हुई बाइक पर रोमांस कर रहे थे। लड़की बाइक की पेट्रोल की टंकी पर लेटी हुई थी और युवक बाइक ड्राइव कर रहा था। आगरा-कानपुर हाईवे पर बाइक पर कपल का खतरनाक रोमांस सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। ऐसी लापरवाही न केवल उनकी, बल्कि दूसरों की जान को भी जोखिम में डालती है। इसी दौरान एक राहगीर ने उनको टोका और कहा कि भैया यह तो गलत कर रहे हो तो युवका बोला- चलो जाओ अपना काम करो। राहगीर बोला कि इस काम के लिए एक क्वार्टर बना लो या कमरा ले लो तो युवक बोला कि जाओ यार अपना काम करो।

'55 टुकड़ों में काट दूंगी तुमको...', बीवी की धमकी सुन पति के छूटे पसीने, जाने दिया बॉयफ्रेंड के साथ

आर्यावर्त संवाददाता

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा से रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक महिला को PUBG मोबाइल गेम की लत ऐसी पड़ी कि उसने न केवल अपने पति और बच्चे की जिंदगी खतरे में डाल दिया। बल्कि प्रेम में घर-परिवार तक छोड़ दिया। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के भटीपुरा मोहल्ले का है।

30 वर्षीय शीलू रैकवार यहां परिवार के साथ रहते हैं। वो पेशे से मिठाई बनाते हैं। उनकी मिठाई की अपनी दुकान है। शीलू की शादी साल 2022 में बांदा जिले के मटौंध निवासी आराधना से हुई थी। पहते तो सब कुछ सही चल रहा था, मगर शादी के कुछ ही समय बाद आराधना को PUBG खेलने की लत लग गई।

दिन भर पति दुकान पर रहता और पत्नी घर में मोबाइल पर गेम खेलती रहती। इसी दौरान आराधना की लुधियाना (पंजाब) निवासी शिवम नामक युवक से दोस्ती हो गई। फिर जल्द ही दोनों के बीच अफेयर भी शुरू हो गया।

पति शीलू की मानें तो- आराधना ने मुझसे दूरी बनानी शुरू कर दी थी। घर में झगड़े भी बढ़ गए। यहां तक कि आराधना ने बेटे को मारकर उस पर घरेलू हिंसा के झूठे आरोप लगाने की भी कोशिश की।

अचानक आ धमका बीवी का प्रेमी

हद तो तब हो गई जब आराधना ने पति को 55 टुकड़ों में काटकर ड्रम में भरने की धमकी दी। उसका कहना था कि यदि पति उसके प्रेम में बाधा बना तो वह उसे मार डालेगी। डरे हुए शीलू ने अपने रिश्ते को बचाने की कोशिश की लेकिन बीते दिनों अचानक आराधना का प्रेमी शिवम 900 किमी दूर लुधियाना से महोबा पहुंच गया और घर में जमकर हंगामा किया।

पत्नी को जाने दिया बॉयफ्रेंड के साथ

मजबूर होकर शीलू ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिवम को शांतिभंग में चालान किया, लेकिन आराधना ने पति और मासूम बेटे को छोड़ प्रेमी शिवम के साथ जाने का फैसला कर लिया। ऐसे हालात में शीलू ने अपनी और बेटे की जान बचाने के लिए पत्नी को प्रेमी संग जाने दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और शीलू अपने बेटे के साथ अलग रह रहा है।

बेहद सीख देने वाला और प्रेरणादायक रहा कार्यकाल: डॉ पल्लवी सिंह

बाराबंकी। जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ. पल्लवी सिंह के कांसगंज जनपद स्थानांतरण होने पर संबंधित विभागीय कर्मचारियों और चाइल्ड हेल्पलाइन की पूरी टीम ने शनिवार को भावभीनी विदाई दी। यह कार्यक्रम सिर्फ एक औपचारिक विदाई नहीं था, बल्कि उनके ईमानदार कार्य, जनसेवा और करुणामयी व्यवहार के प्रति उनके सहकर्मियों की कृतज्ञता का प्रतीक बना। जिला प्रोबेशन कार्यालय पर आयोजित समारोह में दौरान उनकी कार्यकुशलता, सौम्यता और व्यक्तित्व की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। सहकर्मियों ने उन्हें अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं फूलमाला देकर सम्मानपूर्वक विदा किया। जानकारी के मुताबिक, डॉ पल्लवी सिंह ने जुलाई 2021 में जिला मुख्यालय पर जिला प्रोबेशन अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला था। वह अपनी प्रशासनिक दक्षता और निष्ठा के लिए जानी जाती हैं।

पाखंडी तांत्रिक उतरवाता गया कपड़े, वश में थी महिला, मानती रही उसकी बात... तभी कर दी ऐसी हरकत, पहुंच गया जेल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में पुलिस ने एक पाखंडी तांत्रिक को गिरफ्तार किया है। उस पर महिला के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगा है। यहां एक बीमार महिला के परिजनों ने इलाज के लिए तांत्रिक को घर पर बुलाया। लेकिन तांत्रिक ने उसे इलाज के बहाने कमरे में बंद कर दिया। वहां महिला को वश में करके उसके कपड़े उतरवाने लगा। महिला भी उसका कहा मानती गई। तभी तांत्रिक ने उससे छेड़छाड़ शुरू कर दी। महिला उसकी हरकत का विरोध करने लगी, लेकिन तांत्रिक नहीं माना। महिला ने फिर चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया। महिला की चीख सुनकर परिवार के लोग कमरे के अंदर आ धमके। तब पाया कि महिला अर्धनग्न हालत में थी। परिवार वालों को तब तांत्रिक की करतूत का पता चला। उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस वहां पहुंची। तांत्रिक को गिरफ्तार करके साथ ले गई। उसके खिलाफ आगामी कार्रवाई जारी है। मामला आशियाना क्षेत्र का है। थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह ने बताया- एक महिला के बीमार पड़ने पर उसके पति ने एक तांत्रिक को झाड़ फूंक के लिए बुलाया था। आरोप है कि बदनीयत भावना से तांत्रिक ने सभी परिजनों को कमरे से बाहर कर दिया और अपने कुकृत्यों को अंजाम देने के लिए भीतर से दरवाजा बंद कर महिला पर जादू टोना करते हुए उसे अर्धनग्न कर दिया। इस दौरान महिला ने शोर मचाना शुरू किया तो तांत्रिक ने पति समेत सभी परिवारी सदस्यों को भयग्रस्त कर कमरे में प्रवेश करने से रोक दिया। परिवार वालों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। आरोपी तांत्रिक को कस्टडी में ले लिया गया है। महिला के पति की शिकायत पर तांत्रिक के खिलाफ छेड़खानी, अश्लीलता समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

राम मंदिर में अब तक 5 .5 करोड़ श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, अयोध्या बना वैश्विक तीर्थस्थल

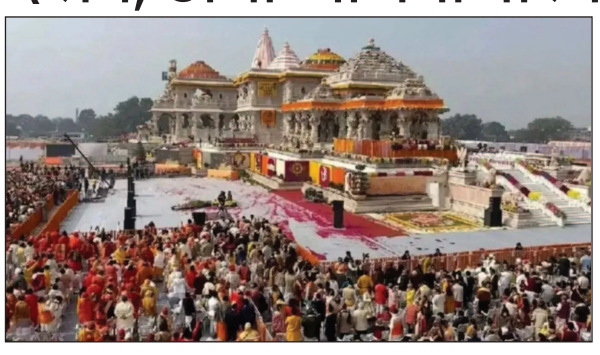

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या में 22 जनवरी, 2024 को राम मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से भारत और विदेशों से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पहुंच रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, "प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अब तक 5।5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु मंदिर में दर्शन और पूजा के लिए पहुंचे हैं। भक्तों की बढ़ती हुई संख्या आम जनता तक ही सीमित नहीं है। 4।5 लाख वीआईपी, जिनमें केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मनोरंजन, व्यापार और खेल जगत की कई हस्तियां शामिल हैं, उन्होंने भी मंदिर में दर्शन किए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने बयान में कहा, "अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मंदिर में आने वाले हर आगंतुक को चाहे वह आम श्रद्धालु हो या फिर वीआईपी हो, उन्हें एक सहज, सुविधाजनक और व्यवस्थित अनुभव मिले। राम मंदिर के भव्य निर्माण के बाद अयोध्या अब प्रमुख वैश्विक धार्मिक स्थान बना चुका है। तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने परिवहन संपर्कों को बेहतर बनाने और पहुंच को आसान करने के लिए कदम उठाए हैं।

'राम मंदिर में 5।5 करोड़ श्रद्धालु दर्शन कर चुके'

बयान में कहा गया, "मंदिर के उद्घाटन समारोह में कई अंतरराष्ट्रीय विशिष्ट अतिथियों ने भाग लेकर अयोध्या के नए युग की शुरुआत की। उद्घाटन के बाद से कई राज्यपाल और विशिष्ट अतिथि अयोध्या में दर्शन के लिए अपने परिवारों के साथ कई बार आ चुके हैं। हाल ही में अनुष्का शर्मा ने विराट कोहली के साथ मंदिर में पूजा-अर्चना की है। अभिनेता गोविंदा भी दर्शन करने पहुंचे थे। अमिताभ बच्चन और सचिन तेंदुलकर अभिषेक समारोह में मौजूद थे।" संभागीय आयुक्त गौरव दयाल ने बताया, "प्रशासन सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार सभी आगंतुकों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित कर रहा है।

'दर्शनार्थियों की संख्या बढ़ने की संभावना'

भगवान राम अब मंदिर की पहली मंजिल पर विराजमान हैं। इस वजह से आने वाले दिनों में दर्शनार्थियों की संख्या और बढ़ने की संभावना है। इसलिए आगंतुकों की सुरक्षा और आराम के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। एलन मस्क के पिता एरोल मस्क राम मंदिर में पूजा-अर्चना करने अयोध्या आए थे। यहां उन्होनें पारंपरिक भारतीय परिधान पहना था। इस अनुभव को उन्होनें "अद्भुत" बताया।

अपर स्वास्थ्य निदेशक ने सीएचसी का किया औचक निरीक्षण

रामनगर, बाराबंकी। अयोध्या मंडल के अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ. सुधीर कुमार वर्मा ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. सना सीमा, पूजा गुप्ता और स्टाफ नर्स प्रियंका अनुपस्थित मिलीं। एडी हेल्थ ने अनुपस्थित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। अस्पताल के निरीक्षण में एनबीएसयू वार्ड, लेबर रूम, ईटीसी और जनरल वार्ड की जांच की गई। दूसरी मंजिल के शौचालय में गंदगी देखकर एडी हेल्थ ने नाराजगी जताई। उन्होंने कर्मचारियों को चेक लिस्ट बनाकर नियमित सफाई करने का निर्देश दिया। परिसर में लगी झाड़ियों की कटाई-छंटाई का आदेश दिया। अस्पताल परिसर और मार्ग के दुरुस्तीकरण के लिए शासन को पत्र लिखने की बात कही। इसके बाद उन्होंने ग्राम गर्री स्थित आयुष्मान जन आरोग्य मंदिर का निरीक्षण किया।

नौ लाख का कर्ज, किसान ने 30 लाख चुकाए... फिर भी सवा करोड़ का बकाया

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में एक किसान ने एक फाइनेंस कंपनी से नौ लाख का कर्ज लिया। फिर किसान ने 30 लाख रुपये चुकाये, लेकिन उसके ऊपर से कर्ज फिर भी खत्म नहीं हुआ। यही नहीं, लगभग सवा करोड़ और देने के लिए किसान को कहा गया। कर्ज के बोझ तले दबे किसान ने अब इसकी शिकायत जिले के एसपी से की है। एसपी ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

यह मामला बिजनौर के गोपालपुर का है। यहां एक किसान हरवीर सिंह ने धारा फाइनेंस कंपनी पर आरोप लगाते हुए एसपी को बताया कि साल 2014 में उसने बिजनौर की एक फाइनेंस कंपनी से जमीन गिरवी रखकर 9 लाख रुपये का लोन लिया था। किसान की मानें तो साल 2019 तक कंपनी को 30 लाख रुपये तक अदा कर किया, बावजूद इसके किसान के ऊपर से कर्ज नहीं उतरा।

मनमाने ब्याज की वसूली

आरोप है कि फाइनेंस कंपनी ने ब्याज का ऐसा खेल किया कि किसान का सब कुछ बिक गया, लेकिन तब भी उसके ऊपर से कर्ज नहीं उतरा। किसान ने बताया कि कंपनी से कर्ज लेते समय उसने करीबन 8 बीघा जमीन गिरवी रखी थी, जोकि कंपनी ने धोखे से अपने नाम कर लिया और फिर बेच दिया। किसान का कहना है कि कंपनी ने उस पर 1 करोड़ 24 लाख रुपये की बकायेदारी निकाल रखी है। एसपी अभिषेक झा ने बताया है कि ये बेहद गंभीर मामला है। इस मामले की जांच कराई जा रही है। फाइनेंस कम्पनी के द्वारा किये जा रहे सभी लेन देन की भी टैक्स रेवेन्यू विभाग द्वारा जांच कराई जाएगी।

क्या बोले फाइनेंस कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर?

धारा मोटर फाइनेंस कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर गजेंद्र सिंह ने बताया कि इस मामले में कोर्ट केस विचाराधीन है, जैसा भी अदालत निर्णय देगी, वह मान्य होगा।

बेटे को मां से सीखने को मिल जाएं ये 5 चीजें, तो संवर जाएगा उसका जीवन, कोई उंगली तक नहीं उठाएगा

बच्चे चाहे कितने भी बड़े क्यों न हो जाएं, अपने मां-बाप के लिए तो वो बच्चे ही रहते हैं। पेरेंट्स को हर वक्त अपने बच्चों की चिंता सताती रहती है। कई पेरेंट्स अपने बच्चों से कई तरह की अपेक्षाएं भी रखते हैं जो कि कुछ हद तक सही भी है लेकिन बच्चे भी अपने पेरेंट्स से कुछ उम्मीदें और अपेक्षाएं रख सकते हैं।

बेटों की परवरिश बेटियों से अलग होती है और ऐसी कुछ चीजें एवं आदतें हैं, जो बेटे अपनी मां से सीखते हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि एक बेटे को अपने मां से क्या सीखने की जरूरत होती है।

उसे समझे

एक बेटा चाहता है कि उसकी मां उसे समझे और उसकी बातों को सुने। हर बच्चा चाहता है कि उसकी मां उसके विचारों, भावनाओं और इच्छाओं को समझे। मां का अपने बच्चे के प्रति समझ और सुनने का रवैया उसे आत्मविश्वासी और सुरक्षित महसूस कराता है। इससे वह खुलकर अपनी भावनाओं को व्यक्त कर पाता है।

बिना शर्त के प्यार

मां का अपने बच्चे को बेइंतहा प्यार करना उसमें आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना पैदा करता है। यह प्यार बच्चे के आत्म-सम्मान को बढ़ाता है और उसे महसूस कराता है कि वह हमेशा अपनी मां पर निर्भर कर सकता है, चाहे कुछ भी हो जाए। इससे मां और बेटे का रिश्ता भी मजबूत होता है।

समय देना

बेटों को अपनी मां से समय चाहिए होता है। चाहे वह खेलने का समय हो, बात करने का समय हो या बस साथ में बैठकर कुछ करने का समय हो, यह बच्चे को बहुत महत्त्वपूर्ण लगता है। मां के साथ बिताया समय बेटे के लिए अनमोल होता है और यह उसके मानसिक और भावनात्मक विकास में मदद करता है।

प्रोत्साहन और समर्थन

मां का प्रोत्साहन और समर्थन बेटे के विकास में अहम भूमिका निभाता है। मां का अपने बच्चे के प्रति प्रोत्साहन उसे नए चीजें सीखने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। समर्थन और प्रोत्साहन से बच्चा आत्मविश्वास से भरा रहता है और जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहता है।

नैतिक मूल्य और अनुशासन

मां अपने बेटे को नैतिक मूल्य और अनुशासन सिखाती है। एक अच्छे और अनुशासित जीवन के लिए नैतिक मूल्य अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। मां का अपने बच्चे को सही और गलत के बारे में सिखाना उसे जीवन में सही निर्णय लेने की क्षमता देता है और एक जिम्मेदार व्यक्ति बनाता है।

बेटे अपने पिता से ज्यादा खुलकर बात नहीं कर पाते हैं इसलिए बच्चे को सही मार्गदर्शन करने में मां ही अहम भूमिका निभाती है।

बिस्तर बनाना

बेटों को अपना खुद का बिस्तर बनाना आना चाहिए। यह एक बेसिक काम है लेकिन बेहद जरूरी भी है। जिन लड़कों को बिस्तर बनाना नहीं आता है उन्हें लगता है कि उनके लिए कोई ना कोई बिस्तर बना ही देगा, लेकिन खुद का बिस्तर समेटकर रखना जरूरी होता है।

साफ-सफाई करना

अपने कमरे की सफाई, अपने स्टडी टेबल की सफाई, जहां बैठकर खाना खाया है उस जगह की सफाई और बाथरूम की सफाई करना बेटों को आना चाहिए। यह काम बेटियों से तो करवाएं ही जाते हैं लेकिन बेटों को भी ये काम सिखाए और उनसे करवाए जाने जरूरी हैं।

बर्तन साफ करना

अक्सर घर के बड़ों को कहते सुना जाता है कि बेटा है बर्तन क्यों धोएगा या फिर घर के लड़के बर्तन नहीं धोते। लेकिन, सवाल यह होना चाहिए कि बर्तन क्यों नहीं धोते या क्यों नहीं धोने चाहिए। यह एक लाइफ स्किल है जो सभी को आनी चाहिए। इसीलिए बचपन से ही बेटों को बर्तन धोने भी सिखाए जाने चाहिए।

डायबिटीज के मरीज पी सकते हैं ये 5 जूस, ब्लड शुगर कंट्रोल रहने के साथ इम्यूनिटी भी अच्छी रहेगी

डायबिटीज के मरीजों को जूस पीने से मना किया जाता है, क्योंकि कई फल और सब्जियों में नेचुरल शुगर होती है और जूस कैलोरी में भी हाई होते हैं। ऐसे में सवाल है कि क्या डायबिटीज के मरीज जूस नहीं पी सकते हैं। शोध बताते हैं कि डायबिटीज के मरीजों के लिए कुछ फल और सब्जियों का जूस एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जूस के सेवन से वो फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्वों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। बशर्ते इसे सही तरीके से और संयमित मात्रा में सेवन किया जाए। तो आइए जानते हैं कि डायबिटीज के मरीज कौन से जूस पी सकते हैं।

जामुन का जूस

डायबिटीज के मरीजों के लिए जामुन का सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है। इसका जूस भी जूस ब्लड शुगर को नियंत्रित करने के लिए बहुत लाभकारी है। इसमें कई ऐसे गुण होते हैं, जो ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल रखने में मदद करते हैं। इसके लिए आप एक दिन में एक छोटा कप जूस पिएं।

पालक-ककड़ी जूस

पालक और ककड़ी दोनों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है और यह ब्लड शुगर को बढ़ाए बिना पोषक तत्वों की कमी को पूरा करता है। इसमें मौजूद विटामिन इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं। पालक और ककड़ी का मिक्स जूस दिन भर में एक छोटा ग्लिस पिएं।

टमाटर का जूस

टमाटर का जूस शरीर को खून की कमी से बचाता है। इसमें लाइकोपीन, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं। टमाटर का जूस में कैलोरी कम होती है। आप दिन भर में एक छोटा ग्लिस टमाटर का जूस सुबह नाश्ते के साथ पिएं।

एलोवेरा का जूस

इसमें मौजूद पॉलीसेकेराइड और ग्लूकोमिन ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं और इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है। आप सुबह एक गिलास एलोवेरा जूस पिएं। इससे पेट को भी फायदा होगा।

सेब का जूस

सेब का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है और इसके जूस को सीमित मात्रा में पिया जाए तो डायबिटीज के मरीजों को फायदा मिलता है। सेब में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, पोटेशियम और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं और हृदय स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। आप एक दिन में एक छोटा कप सेब का जूस पी सकते हैं।

टीथ ब्रेसेस लगवाने के बाद भूल से भी न करें ये 5 बड़ी गलतियां, दांतों का शेप छोड़ो चेहरा बिगड़ जाएगा

टीथ ब्रेसेस लगाने के बाद दांतों की देखभाल बहुत महत्वपूर्ण होती है। अगर इनकी सही देखभाल न की जाए, तो न ही आपके दांतों में सही रिजल्ट आएगा और साथ में कई तरह की दांतों की समस्या भी हो सकती है। इसलिए जानें की टीथ ब्रेसेस के बाद क्या करें और क्या न करें।

कई लोगों के दांत टेढ़े-मेढ़े होते हैं, इसलिए ऐसे दांतों को सही करने के लिए टीथ ब्रेसेस ट्रीटमेंट लिया जाता है। टीथ ब्रेसेस दांतों को उनकी सही जगह पर सेट करने में मदद करते हैं और आपके दांतों और जबड़ों को ठीक करते हैं। टेढ़े-मेढ़े दांत होने के कारण कई कई तरह की दिक्कतें होती हैं, उनमें भी सुधार होता है।

टीथ ब्रेसेस को दांतों में तार लगवाना भी कहते हैं और इसे लगवाने के बाद इसकी सही ढंग से देखभाल भी बहुत जरूरी है, खासतौर पर खानपान पर ध्यान रखना जरूरी है। अगर सही ढंग से न ध्यान न दिया जाए तो आपको दांतों का सही शेप नहीं आ पाएगा। आइए इस आर्टिकल में जानते हैं कि टीथ ब्रेसेस लगाने के बाद किन बातों का रखें ध्यान।

हार्ड और स्टिकी फूड से बचें

हार्ड और स्टिकी फूड से बचें जैसे कि नट्स, पॉपकॉर्न, और आइस क्यूब्स आदि के सेवन से बचें। स्टिकी खाद्य पदार्थ जैसे कि च्युइंग गम, कारमेल, चॉकलेट और टॉफी से भी बचें, क्योंकि ये ब्रेसेस को नुकसान पहुंचा सकते हैं और दांतों में बैक्टीरिया का कारण बन सकते हैं।

फल और सब्जियां काटकर खाएं

बड़े फल या सब्जियां जैसे सेब या गाजर को छोटे टुकड़ों में काटकर खाएं ताकि उन्हें चबाने में आसानी हो और ब्रेसेस पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

कठोर वस्तुओं को चबाने से बचें

कुछ लोगों की आदत होती है पेंसिल, पेन मुंह में डालने की या नाखून चबाने की, तो ऐसी आदतों से बचें क्योंकि ये ब्रेसेस को नुकसान पहुंचा सकती हैं और दांतों में इंफेक्शन को बढ़ा सकती हैं।

सोडा ड्रिंक से बचें

दांतों में तार लगवाने के बाद सोडा और शुगर युक्त ड्रिंक का सेवन कम करें, क्योंकि ये दांतों की सड़न और ब्रेसेस के आसपास प्लाक की समस्या को बढ़ा सकते हैं।

साफ-सफाई का ध्यान

दांतों पर ब्रेसेस की देखभाल में लापरवाही न करें। नियमित सफाई और सही देखभाल करें, क्योंकि तार लगने के बाद दांतों में बैक्टीरिया का खतरा और भी अधिक बढ़ जाता है।

आईटीआर फॉर्म भरने में हो गई है गलती तो घबराएं नहीं! तुरंत करें डिस्कार्ड ऑप्शन का इस्तेमाल

अगर आपने भी इनकम टैक्स रिटर्न फॉर्म भरने में किसी तरह की गलती कर दी है तो परेशान होने की जरूरत नहीं होगी। फॉर्म में किसी तरह की गलती हो जाए तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का डिस्कार्ड आईटीआर ऑप्शन काम आता है। इस ऑप्शन का इस्तेमाल किया जा सकता है। किसी तरह की जानकारी गलत भर दी है तो डिस्कार्ड आईटीआर ऑप्शन काम आ सकता है।

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटीआर फॉर्म भरने में गलती होना एक आम बात है। कई बार टैक्सपेयर्स फॉर्म में किसी खास तरह की जानकारी को भरना भूल जाते हैं तो कभी किसी इनकम के बारे में जानकारी नहीं जा पाती। अगर आपने भी इनकम टैक्स रिटर्न फॉर्म भरने में किसी तरह की गलती कर दी है तो परेशान होने की जरूरत नहीं होगी। फॉर्म में किसी तरह की गलती हो जाए तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का डिस्कार्ड आईटीआर ऑप्शन काम आता है। इस ऑप्शन का इस्तेमाल किया जा सकता है। किसी तरह की जानकारी गलत भर दी है या किसी तरह की जरूरी जानकारी देना भूल गए हैं, दोनों ही स्थितियों के लिए डिस्कार्ड आईटीआर ऑप्शन काम आ सकता है।

डिस्कार्ड आईटीआर ऑप्शन ऐसे करें इस्तेमाल

सवाल यह भी है कि डिस्कार्ड आईटीआर ऑप्शन का इस्तेमाल कैसे करें। इस ऑप्शन का इस्तेमाल करने के लिए आपको इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ई-फाइलिंग पोर्टल पर आना होगा।

डिस्कार्ड आईटीआर ऑप्शन को लेकर जरूरी शर्त

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने अपनी ऑफिशियल वेबसाइट में इस बारे में एक लेटेस्ट अपडेट जारी किया है। डिपार्मेंट का कहना है कि डिस्कार्ड आईटीआर ऑप्शन का इस्तेमाल केवल आईटीआर फॉर्म को वेरिफाइ करने से पहले से ही किया जा सकता है। इस ऑप्शन का एक से ज्यादा बार भी इस्तेमाल किया जा सकता है। आईटीआर फॉर्म भरकर सबमिट करने के बाद आपको लगता है कि किसी तरह की जानकारी को लेकर कोई गलती हुई तो तुरंत पोर्टल पर विजिट कर इस ऑप्शन का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन वे टैक्सपेयर्स जिन्होंने आईटीआर फॉर्म भरकर वेरिफाई भी कर लिया है तो इस ऑप्शन का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा।

देश में एचएनआई निवेश को आकर्षित करने के लिए गिफ्ट आईएफएससी को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने की जरूरत : वित्त मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जोर देकर कहा है कि गिफ्ट स्थित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) को भारत में वैश्विक पूंजी प्रवाह के लिए एक प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, ताकि अगले दो दशकों में उच्च विकास वाले क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

उन्होंने गिफ्ट सिटी को इंटीग्रेटेड, मॉडर्न और सस्टेनेबल लिविंग इंफ्रास्ट्रक्चर से सुसज्जित एक गतिशील स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों से शीर्ष स्तर की प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए ऐसी विश्वस्तरीय सुविधाएं स्थापित करना आवश्यक है।

गांधीनगर में गिफ्ट सिटी में आईएफएससी के अपने दौरे के दौरान, वित्त मंत्री ने प्रगति की समीक्षा की और प्रमुख बाजार प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। केंद्रीय वित्त मंत्री ने अधिकारियों से देश में एचएनआई निवेश को आकर्षित करने के लिए जीआईएफटी आईएफएससी को अधिक प्रतिस्पर्धी और लागत प्रभावी बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया और देश की वित्तीय जरूरतों के लिए आईएफएससी में सॉवरेन और पेंशन फंड जुटाने में आईएफएससीए की भूमिका की क्षमता को रेखांकित किया।

भारत की वैश्विक वित्तीय स्थिति को बढ़ाने में गिफ्ट आईएफएससी की भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने अगले कुछ वर्षों में ही सुधारों को तेज करने पर जोर दिया, ताकि 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन के साथ विकास को आगे बढ़ाया जा सके।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने हितधारकों की भागीदारी का विस्तार कर और मूल्य निर्धारण को मजबूत कर इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएक्स) में कार्यान्वयन को बेहतर करने की जरूरतों पर जोर दिया, जिससे गिफ्ट आईएफएससी को एक ग्लोबल बुलियन हब के तौर पर स्थापित किया जा सके।

उन्होंने बैंकिंग, बीमा, पूंजी बाजार, फंड उद्योग, वित्त कंपनियों, भुगतान सेवा प्रदाताओं, एयरक्राफ्ट और शिप लीजिंग फर्मों, फिनटेक फर्मों, आईटीएफएस प्लेटफॉर्म प्रदाताओं और विदेशी विश्वविद्यालयों के एमडी और सीईओ, अध्यक्षों, संस्थापकों और सीएफओ के साथ भी बातचीत की। इसके अलावा, गिफ्ट सिटी कंपनी लिमिटेड और आईएफएससीए ने गिफ्ट आईएफएससी को एक लीडिंग ग्लोबल फाइनेंशियल सेंटर के तौर पर स्थापित करने के उद्देश्य से प्रमुख नीति, विनियामक और कर सुधारों पर अपनी प्रस्तुति दी।

वैश्विक अनिश्चितताएं बढ़ने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत : आरबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में जारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मासिक आर्थिक बुलेटिन के अनुसार, मई 2025 के लिए वैश्विक अनिश्चितता के बीच अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर्स भारत में औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि की ओर इशारा करते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि ने 2024-25 के दौरान अधिकांश प्रमुख फसलों के उत्पादन में व्यापक आधार पर वृद्धि दर्ज की। घरेलू कीमतों की स्थिति सौम्य बनी हुई है और मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे रही। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वित्तीय स्थितियां ऋण बाजार में दरों में कटौती के ट्रांसमिशन की सुविधा के लिए अनुकूल बनी हुई हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर स्थिति में है, जो व्यापार नीति अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों में वृद्धि के दोहरे झटकों से जूझ रही है। हालांकि, घरेलू मोर्चे पर, मई में जारी अनंतिम अनुमानों ने 2024-25 में भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने की पुष्टि की है, जिसमें चौथी तिमाही में महत्वपूर्ण क्रमिक वृद्धि होगी।

मई के लिए अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि के संकेत देते हैं। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) के लिए सर्वे किए गए देशों में भारत में गतिविधि में समग्र विस्तार सबसे अधिक रहा, जिसमें मई में देखे गए नए निर्यात ऑर्डर में विस्तार अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में देखे गए कॉन्ट्रैक्शन के बीच एक अपवाद था।

मई के लिए कुल मांग के हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स ने भी ग्रामीण मांग में वृद्धि का सुझाव दिया। कंज्यूमर सेंटीमेंट के दूरदर्शी सर्वेक्षण वर्तमान अवधि के लिए स्थिर उपभोक्ता विश्वास और भविष्य के बारे में बेहतर आशावाद दिखाते हैं। आरबीआई बुलेटिन में कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक, व्यापार और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद ये सभी भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दिखाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू मुद्रास्फीति सौम्य बनी हुई है और मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे रही। 2024-25 के कृषि सत्र में रिकॉर्ड घरेलू फसल उत्पादन खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति में तेज और निरंतर कमी का संकेत दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, अस्थिर और ऊंचे सोने और चांदी की कीमतों के प्रभाव को छोड़कर कुछ नरमी के संकेतों के साथ स्थिर कोर मुद्रास्फीति यह दर्शाती है कि अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबाव शांत बना हुआ है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इकोनॉमिक आउटलुक, टैरिफ संबंधी समाचार और विकसित होते घरेलू परिदृश्य पर वैश्विक संकेतों के कारण उतार-चढ़ाव के बावजूद मई-जून के दौरान इक्विटी बाजारों में मामूली वृद्धि दर्ज की गई। मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के साथ ही इक्विटी बाजार में कुछ समय के लिए तेज गिरावट दर्ज की गई, लेकिन 20 जून को इसमें शानदार उछाल देखने को मिला।

आरबीआई बुलेटिन में आगे कहा गया है कि हालांकि अप्रैल में ऋण वृद्धि में कमी आई, खास तौर पर कृषि और सेवा क्षेत्रों में लेकिन गैर-बैंक ऋण स्रोतों, जिसमें बाहरी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) शामिल है, में लगातार अच्छी वृद्धि जारी रही, हालांकि मार्च से इसमें नरमी आई। कुल मिलाकर, वित्तीय स्थितियां ऋण बाजार में दरों में कटौती को प्रभावी तरीके से पहुंचाने के लिए अनुकूल बनी रहीं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आयात और बाहरी ऋण के लिए पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार के साथ बाहरी क्षेत्र में मजबूती बनी रही।

ईरान दे रहा है हूथी विद्रोहियों को तबाही का जखीरा? मिसाइल फैक्ट्री से जुड़ा बड़ा खुलासा

तेहरान। यमन में ईरान की बढ़ती दखलअंदाजी को लेकर एक बार फिर से गंभीर चेतावनी सामने आई है। यमन सरकार का दावा है कि ईरान अब हूथी विद्रोहियों को महज हथियार नहीं दे रहा, बल्कि अपनी मिसाइल और ड्रोन फैक्ट्री ही वहां शिफ्ट कर रहा है।

माना जा रहा है कि ये फैक्ट्रियां सादा, हज्जा और राजधानी सना के आसपास लगाई जा रही हैं। इससे न सिर्फ यमन में हालात और बिगड़ सकते हैं, बल्कि पूरी खाड़ी और वैश्विक समुद्री व्यापार पर भी संकट गहरा सकता है।

हूथियों को मिल रही ईरान की टेक्नोलॉजी

यमनी अधिकारियों के मुताबिक, हूथी विद्रोहियों को अब सिर्फ पुराने हथियार नहीं दिए जा रहे, बल्कि उन्हें एडवांस्ड बैलिस्टिक और हाइपरसोनिक मिसाइल टेक्नोलॉजी भी मिल रही है। जिस तरह के हथियार हाल ही में ईरान ने इस्तेमाल किए, हूथियों ने भी उन्हीं से मिलते-जुलते सिस्टम के साथ पड़ोसी देशों और समुद्री मार्गों पर हमले किए हैं। इससे साफ है कि हथियारों की सप्लाई के साथ-साथ ट्रेनिंग और ऑपरेशन तक की पूरी स्क्रिप्ट तेहरान से लिखी जा रही है।

वैश्विक समुद्री रास्तों पर मंडरा रहा खतरा

गल्फ ऑफ एडन और लाल सागर जैसे रणनीतिक रूप से अहम समुद्री रूट पहले ही तनाव में हैं। ऐसे में अगर ईरान वाकई यमन को मिसाइल और ड्रोन बेस में बदल देता है, तो यह सिर्फ मध्य पूर्व के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की सप्लाई चेन और एनर्जी ट्रेड के लिए खतरा बन सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने भी माना है कि हूथी विद्रोही निकट भविष्य में अमेरिका के लिए भी एक स्थायी सिरदर्द बन सकते हैं।

हूथी विद्रोहियों की 'घरेलू तकनीक' पर सवाल

हूथी लंबे समय से यह दावा करते रहे हैं कि उनके पास जो हथियार हैं, वे घरेलू स्तर पर बनाए गए हैं। लेकिन अब सामने आ रहे सबूत बताते हैं कि असल में उनकी ताकत ईरान की मदद से खड़ी की गई है। हूथियों की ओर से अपनाई जा रही ऑपरेशनल रणनीति और मिसाइल हमलों का पैटर्न हूबहू ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड जैसा है।

डैडी के अलावा कोई ऑप्शन नहींइजराइल पर तंज कसने के लिए ईरान ने लिया ट्रंप का निकनेम

यरुशलम, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच तल्खी अब जुबानी जंग तक पहुंच चुकी है। इस बार निशाने पर है अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वो निकनेम, जो उन्होंने खुद नहीं, बल्कि दूसरों से पाया। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने इजराइल पर हमला बोलते हुए कहा कि वह ईरानी मिसाइलों से बचने के लिए "डैडी" के पास भाग गया। यह 'डैडी' और कोई नहीं, ट्रंप खुद हैं—जिन्हें हाल ही में नाटो समिट में इसी उपनाम से पुकारा गया था। दरअसल ट्रंप ने इजराइल और ईरान को लेकर गुस्से में लाइव टीवी पर अपशब्द का इस्तेमाल किया था जिसकी आलोचना अब ईरान कर रहा है। अराकची ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर उसकी भाषा में सुधार नहीं हुआ, तो ईरान अपनी असली ताक़त दिखाने से पीछे नहीं हटेगा।

'खामेनेई के लिए सम्मान दिखाओ, तभी बनेगी बात'

अराकची ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर अमेरिका परमाणु डील को लेकर वास्तव में गंभीर है, तो उसे ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के लिए सम्मानजनक भाषा का इस्तेमाल करना होगा। उनके करोड़ों समर्थकों की भावनाओं को ठेस पहुंचाना, किसी सौदे की संभावना को खत्म कर देगा। ये बयान ट्रंप की उस सोशल मीडिया पोस्ट के जवाब में आया है जिसमें उन्होंने दावा किया था कि उन्होंने खामेनेई की जान बख्श दी थी।

परमाणु समझौते पर नहीं बनेगी बात?

ट्रंप ने दावा किया कि वो ईरान पर से कुछ प्रतिबंध हटाने पर विचार कर रहे थे, लेकिन ईरान की प्रतिक्रिया के बाद उन्होंने सारे प्रयास बंद कर दिए। दूसरी ओर, ईरान ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि वह अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत फिर से शुरू नहीं करेगा।

अमेरिका का बाहुबली बम भी बेअसर, ईरान के इस ठिकाने पर कुछ नहीं बिगाड़ पाया

तेहरान। ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को ध्वस्त करने के लिए अमेरिका ने हाल ही में बड़ी सैन्य कार्रवाई की। उसके फोर्डो, नतांज और इस्फहान जैसे हाई-प्रोफाइल परमाणु ठिकानों को टारगेट किया गया। लेकिन हैरानी की बात ये रही कि ईरान का सबसे अहम और संवेदनशील न्यूक्लियर बेस जिसे इस्फहान कहा जाता है, इस हमले में लगभग सुरक्षित बच निकला।

जबकि यही वो जगह मानी जाती है, जहां ईरान का सबसे बड़ा यूरेनियम भंडार छिपा हुआ है। सवाल ये है कि जब अमेरिका के पास दुनिया के सबसे ताकतवर बम हैं, तो फिर इस ठिकाने पर असर क्यों नहीं पड़ा?

इस्फहान पर बंकर-बस्टर क्यों नहीं चला?

पेंटागन के मुताबिक, इस्फहान का न्यूक्लियर ठिकाना जमीन के इतने अंदर है कि अमेरिका के सबसे ताकतवर बंकर-बस्टर बम भी वहां तक नहीं पहुंच सकते थे। यही वजह है कि अमेरिका ने इस जगह पर हवाई बमबारी की बजाय सिर्फ टॉमहॉक मिसाइलों से हमला किया। लेकिन जानकारों का मानना है कि ये स्ट्राइक सिर्फ सतह पर असर डाल पाई, अंदर मौजूद असली न्यूक्लियर सामग्री तक नहीं पहुंच सकी।

इस्फहान में है ईरान का असली खजाना?

अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, इस्फहान के अंदर ही ईरान का लगभग 60% एनरिच्ड यूरेनियम स्टॉकपाइल छिपा हुआ है। यही वो संवर्धित यूरेनियम है, जो किसी भी देश को परमाणु हथियार बनाने की क्षमता देता है। मतलब ये कि इस जगह पर हमला नाकाम रहने का मतलब है कि ईरान की न्यूक्लियर ताकत पूरी तरह खत्म नहीं हुई।

यूरेनियम गया कहां? अमेरिका को भी नहीं पता

एक बड़ी बात ये सामने आ रही है कि ईरान ने हमले से पहले शायद कुछ यूरेनियम को इन ठिकानों से कहीं और शिफ्ट कर दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि कुछ भी नहीं हटाया गया, लेकिन ब्रिफिंग में शामिल सांसदों ने साफ किया कि कितना यूरेनियम कहां है, इसकी पक्की जानकारी किसी के पास नहीं है। जानकारों का कहना है कि हमलों से ईरान की जमीनी ताकत पर असर जरूर पड़ा है लेकिन खतरा अभी टला नहीं है।

लीडर नहीं 'कूटनीतिक डीलर' बन गए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप! भारत से डील के लिए क्यों हैं बेचैन?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया में वर्ल्ड लीडर के दौर पर मशहूर होना चाहते हैं। नोबेल पीस प्राइज चाहते हैं लेकिन उनकी हरकतें ऐसी हैं कि वो वर्ल्ड डीलर बन कर रह गए हैं। उनके भाषणों और प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिए बयानों को आप सुन लें तो ऐसा लगाता है कि उन्हें लीड करने से ज्यादा आनंद डील करने में आता है। इसको लेकर अक्सर उनकी आलोचना होती रहती है लेकिन उनका रवैया ऐसा ही रहा है तो उन्हें वर्ल्ड का सबसे बड़ा डीलर कहा जाने लगेगा है। वैसे ट्रंप बिजनेसमैन भी हैं और उनके लिए बिजनेस से बड़ा कुछ नहीं है।

अब एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ डील को लेकर बेचैनी दिखाई है। इससे पहले भी अलग-अलग देशों के साथ डील-डील खेल चुके हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत और अमेरिका की बीच जल्द ही बड़ी ट्रेड डील हो सकती है। ट्रंप के मुताबिक वो दुनिया के सभी देशों से शानदार डील कर रहे हैं, जिनमें चीन भी शामिल है और ट्रंप के मुताबिक अगला नंबर भारत का है।

डोनाल्ड ट्रंप ने डील को अपनी कूटनीति का फॉर्मूला बना लिया है। उन्हें दोस्ती में डील चाहिए और दुश्मनी में भी। दुनिया में कहीं भी कोई संकट हो ट्रंप उसमें अपने लिए डील वाला अवसर ढूंढने की कोशिश करते हैं। इसके कई उदाहरण हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध में उन्होंने डील वाली डिप्लोमेसी दिखाई। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को व्हाइट हाउस बुलाया। उन्हें युद्ध रुकवाने के बदले खनिज डील करने के लिए कहा।

इसी तरह भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच भी ट्रंप को डील ही दिखाई दी। उन्होंने पाकिस्तानी आर्मी चीफ मुनीर को व्हाइट हाउस बुलाकर लंच कराया। अब ऐसी चर्चाएं हैं कि उनसे भी ट्रंप ने खनिज और क्रिप्टोकरेंसी पर डील करने को कहा। ताजा उदाहरण ईरान का है, जिस पर कुछ दिन पहले अमेरिका ने बम बरसाए। अब अमेरिकी मीडिया में खबर है कि ट्रंप ईरान को 30 बिलियन डॉलर की मदद दे सकते हैं और बदले में तेल और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर डील कर सकते हैं।

मगर, ट्रंप की सबसे ज्यादा बेचैनी भारत से ट्रेड डील को लेकर है। इसको लेकर वो कई बार बयान दे चुके हैं। कई बार उन्होंने ऐसे झूठे बयान दिए, जिनका भारत को खंडन करना पड़ा। 8 मार्च को ट्रंप ने कहा था कि भारत टैरिफ कटौती के लिए तैयार है और डील होने वाली है। मगर भारत ने कहा अभी तो डील को लेकर कुछ फाइनल ही नहीं हुआ।

इसी तरह 17 मई को ट्रंप ने दावा किया कि भारत ने अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ ना लगाने का फैसला किया है। ट्रंप के इस दावे का भी भारत ने खंडन किया। ट्रंप के बयान उनकी डील डिप्लोमेसी का हिस्सा हैं और वो भारत पर दवाब बनाना चाहते हैं। मगर, भारत कई बार साफ कर चुका है कि इस ट्रेड डील में भारत के हितों से कोई समझौता नहीं होगा।

11 जून 2025 को केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था, जो भी डील होगी दोनों अर्थव्यवस्थाओं, दोनों पक्षों के व्यवसायों और दोनों देशों के लोगों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी होगी। हम व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक अच्छा, निष्पक्ष और संतुलित समझौता करने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

आचार्य विद्यानंद जी महाराज का शताब्दी समारोह, पीएम मोदी को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से नवाजा गया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को आचार्य विद्यानंद जी महाराज के शताब्दी समारोह में शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से सम्मानित किया गया। पीएम मोदी ने आचार्य विद्यानंद जी महाराज की 100वीं जयंती के अवसर पर उनके शताब्दी समारोह के दौरान डाक टिकट और सिक्के जारी किए।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'यह दिन इसलिए भी खास है, क्योंकि 28 जून 1987 को आचार्य विद्यानंद मुनिराज को 'आचार्य' की उपाधि मिली थी। यह सिर्फ सम्मान नहीं था, बल्कि जैन संस्कृति को विचारों, संयम और करुणा से जोड़ने वाली 'पवित्र धारा' भी थी। आज जब हम उनकी 100वीं जयंती मना रहे हैं तो यह हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है...' भगवान महावीर अहिंसा भारती ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम एक साल तक चलने वाले राष्ट्रीय श्रद्धांजलि समारोह की औपचारिक शुरुआत का प्रतीक है। इसका उद्देश्य आचार्य विद्यानंद जी महाराज की 100वीं जयंती का सम्मान करना है। साल भर चलने वाले इस समारोह में देशभर में सांस्कृतिक, साहित्यिक, शैक्षिक और आध्यात्मिक पहल की जाएंगी। समारोह का उद्देश्य आचार्य विद्यानंद जी महाराज के जीवन और परम्परा का जश्न मनाने के साथ-साथ उनके संदेश का प्रसार करना है। आचार्य विद्यानंद जी महाराज ने जैन दर्शन और नैतिकता विषय पर 50 से अधिक पुस्तकों की रचना की है। उन्होंने विशेष रूप से प्राकृत, जैन दर्शन और शास्त्रीय भाषाओं में शिक्षा के लिए काम किया और देश भर में प्राचीन जैन मंदिरों के जीर्णोद्धार और पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

'बिहार में चुपचाप एनआरसी लागू कर रहा चुनाव आयोग', ओवैसी का विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा आरोप

पटना। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसलमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले चुपचाप एनआरसी (नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स) को लागू कर रहा है। ओवैसी ने चेतावनी दी कि चुनाव आयोग के इस कदम से कई भारतीय नागरिकों को उनके वोट देने के अधिकार से रोका जा सकता है। इससे जनता का चुनाव आयोग में विश्वास भी कम होगा।

एआईएमआईएम प्रमुख ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि अब हर नागरिक को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए दस्तावेजों के जरिए साबित करना होगा कि वह कब और कहां पैदा हुआ और साथ ही ये भी बताना होगा कि उनके माता-पिता कब और कहां पैदा हुए। ओवैसी ने लिखा कि 'अनुमान के अनुसार, केवल तीन चौथाई जन्म ही पंजीकृत होते हैं, ज्यादातर सरकारी कागजों में भारी गलतियां होती हैं। बाढ़ प्रभावित सीमांचल क्षेत्र के लोग सबसे गरीब हैं और वे मुश्किल से दिन में दो बार का खाना खा पाते हैं। ऐसे में उनसे ये उम्मीद रखना कि उनके पास अपने माता-पिता के दस्तावेज होंगे, यह एक क्रूर मजाक ही है।'

'चुनाव आयोग पर भरोसा कमजोर होगा'

ओवैसी ने आशंका जताई कि इसके चलते बिहार में बड़ी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से कट जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने भी 1995 में ऐसी मनमानी प्रक्रियाओं पर सख्त सवाल उठाए थे। ओवैसी ने सवाल उठाया कि जब विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, तब इस तरह की कवायद से लोगों का चुनाव आयोग पर भरोसा कमजोर हो जाएगा। ओवैसी ने लिखा कि अगर आपकी जन्मतिथि जुलाई 1987 से पहले की है तो आपको जन्म की तारीख और जन्मस्थान दिखाने वाले 11 में से एक दस्तावेज को भी दिखाना होगा। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि 'अगर आपका जन्म 1987 से 2004 के बीच हुआ है तो आपको अपना जन्म प्रमाण दिखाने वाला एक दस्तावेज देना होगा और साथ ही माता-पिता में से किसी एक की जन्म तारीख और जन्म स्थान दिखाने वाला दस्तावेज भी पेश करना होगा। अगर माता या पिता में से कोई एक भारतीय नागरिक नहीं है तो उन्हें पासपोर्ट और वीजा दिखाना होगा।' ओवैसी ने चुनाव आयोग की कवायद पर सवाल उठाते हुए लिखा कि 'आयोग एक महीने में घर-घर जाकर जानकारी लेना चाहता है, लेकिन जब चुनाव इतने करीब हैं और बिहार की आबादी बड़ी है तो इस प्रक्रिया को निष्पक्ष तरीके से करना लगभग असंभव है।

'दोस्त ही दोस्त का दुष्कर्म करे तो क्या कर सकते हैं?' तृणमूल सांसद के बेतुके बयान पर बवाल

कोलकाता। कोलकाता के साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में एक छात्रा से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले को लेकर तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी के बयान पर बवाल मच गया है। सांसद ने कहा कि अगर दोस्त ही दोस्त का दुष्कर्म करे तो क्या किया जा सकता है? इस बयान की भाजपा ने कड़ी निंदा की है। भाजपा ने बयान को अपमानजनक बताते हुए इसे सरकार की जवाबदेही से ध्यान भटकाने की नीति बताया है।

कोलकाता दुष्कर्म मामले को लेकर तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि अगर कोई दोस्त अपने दोस्त के साथ दुष्कर्म करता है तो क्या किया जा सकता है। क्या स्कूलों में पुलिस होगी? यह छात्रों द्वारा एक अन्य छात्रा के साथ किया गया। पीड़िता की सुरक्षा कौन करेगा? सारा अपराध और छेड़छाड़ कौन करता है? कुछ पुरुष ऐसा करते हैं। महिलाओं को किसके खिलाफ लड़ना चाहिए? महिलाओं को इन विकृत पुरुषों के खिलाफ लड़ना चाहिए। उन्होंने मुख्य आरोपी के तृणमूल कांग्रेस से संबंध पर बात करने से इनकार कर दिया। सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि जिसने भी ऐसा किया है, उसे तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। सुरक्षा और संरक्षा की स्थिति हर जगह एक जैसी है। जब तक पुरुषों की मानसिकता ऐसी ही रहेगी, ये घटनाएं होती रहेंगी। कोलकाता कांड और टीएमसी सांसद के बयान की भाजपा ने निंदा की है। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। साथ ही आरोपी के पार्टी से संबंधों को लेकर टीएमसी से जवाब मांगा। भाजपा ने सांसद कल्याण बनर्जी के बयान का वीडियो साझा करते हुए कहा कि टीएमसी सांसद दुष्कर्मियों के समर्थन में सामने आए।

चेहरे पर दर्द, हाथ में पत्नी की तस्वीर, शेफाली की मौत के बाद पहली बार इस हाल में दिखे पति पराग त्यागी

शेफाली जरीवाला का 42 साल की उम्र में निधन हो गया है। वहीं उनके पति पराग को एक्ट्रेस की मौत के बाद पहली बार देखा गया। पराग काफी दुखी नजर आ रहे थे।

एक्ट्रेस और बिग बॉस फेम शेफाली जरीवाला के अचानक निधन के कुछ घंटों बाद, उनके पति पराग त्यागी पहली बार पब्लिकली नजर आए. इस दौरान वे काफी टूटे हुए दिख रहे थे। उन्हें शनिवार को मुंबई में अपने पैट डॉग सिम्बा के साथ बाहर निकलते देखा गया।

शेफाली जरीवाला की मौत के बाद उनके पति पराग त्यागी का एक वीडियो अब सोशल वायरल हो रहा है, जिसमें पराग काफी दुखी नजर आ रहे हैं। उनके साथ उनका डॉग भी है। उनके चेहरे पर पत्नी को खोने का दुख साफ़ झलक रहा है।वीडियो में, पराग त्यागी अपनी पत्नी शेफाली की तस्वीर हाथ में थामे हुए नजर आ रहे हैं। उनके घर के बाहर एंबुलेंस भी नजर आ रही है।

शेफाली जरीवाला की कैसे हुई मौत

शेफाली जरीवाला 2000 के दशक की शुरुआत में मशहूर म्यूजिक वीडियो कांटा लगा से मशहूर हुईं थीं। उनका 42 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट की वजह से शुक्रवार को निधन हो गया था। उन्हें पराग त्यागी और उनके तीन करीबी सहयोगियों द्वारा मुंबई के बेलेव्यू मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मौत का सही कारण फिलहाल पता नहीं चल पाया है। वहीं परिवार या किसी अन्य ने अभी तक कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी नहीं की है।

शेफाली जरीवाला की मौत पर सस्पेंस

शेफाली जरीवाला की मौत कैसे हुई अभी इस पर सस्पेंस ही है। उनका शव कूपर अस्पताल लाया गया है जहां उनका पोस्टमार्टम हो रहा है। इसी के बाद कुछ क्लियर हो पाएगा कि उनकी मौत की वजह आखिर क्या है। इस बीत पुलिस और फॉरेंसिक टीम रात से उनके घर पर मौजूद है और जांच कर रही है। पुलिस ने शेफाली के पति सहित चार लोगों के बयान भी दर्ज किए हैं।

'जीवन जीने का समय आ गया है', शेफाली के इस पोस्ट ने किया हैरान, यूजर बोले- 'जिंदगी का...'

अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की शुक्रवार रात अचानक हुई मौत ने मनोरंजन जगत और उनके प्रशंसकों को चौंका दिया। 'कांटा लगा' फेम एक्ट्रेस का यूं इतनी जल्दी चले जाना किसी को स्वीकार नहीं हो रहा है। 42 की उम्र में अभिनेत्री की मृत्यु कथित तौर पर कार्डियक अरेस्ट से हुई। हालांकि, निधन का असली कारण पोस्टमार्टम के बाद पता चलेगा। अब शेफाली जरीवाला का एक इंस्टाग्राम पोस्ट तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने जीवन जीने को लेकर बात कही थी। निधन से एक हफ्ते पहले अभिनेत्री शेफाली जरीवाला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में एक्ट्रेस अपनी हेयरस्टाइल ठीक करवा रही हैं और उन्हें मेकअप करवाते देखा जा सकता है, जिसका वीडियो उन्होंने शेयर किया था। इसके अलावा उन्हें केक खाते भी देखा गया, जिसके बाद वो रेड कलर की मॉर्डन ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इस वीडियो के कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा था कि अब समय आ गया है कि हम जीवन जीना शुरू करें। हालांकि, इस पोस्ट के हफ्ते बाद अभिनेत्री ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया, जो उनके लिखे संदेश के बिल्कुल उलटा रहा।

नेटिजंस को नहीं हो रहा विश्वास

अभिनेत्री के निधन की खबर सुनते ही। इस वीडियो पोस्ट पर नेटिजंस की प्रतिकियाएं आ रही हैं। एक ने लिखा कि उन्हें यकीन हो रहा है कि अभिनेत्री नहीं रही। एक यूजर ने कहा, ' इस वीडियो की शुरुआत इस वाक्य से होती है, 'अब समय आ गया है कि हम जीवन जीना शुरू करें।' वहीं एक और यूजर ने बोला कि जीवन का कोई भरोसा नहीं कि कब क्या हो जाए। इसके आलावा अन्य यूजर्स उन्हें रेस्ट इन पीस कह रहे हैं।

'कांटा लगा' गाने से थीं मशहूर

शेफाली जरीवाला के काम की बात करें तो उन्हें 'कांटा लगा' गाने के लिए जाना जाता था। वह बिग बॉस 13 में भी आई थीं। इसके अलावा 'नच बलिए 5', 'नच बलिए 7' और एडल्ट कॉमेडी सीरीज 'बेबी कम ना' में भी नजर आई थीं।

दूसरी बार मां बनीं इलियाना डिक्रूज; प्रियंका, मलाइका और विद्या ने दी शुभकामनाएं

इलियाना डिक्रूज दूसरी बार मां बन गई हैं। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर दी है। एक्ट्रेस ने पोस्ट में अपने बच्चे की झलक दिखाई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने बच्चे की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा 'मेरे दिल भरे हुए हैं।' इलियाना ने अपने दूसरे बच्चे का नाम भी बताया है। इस पोस्ट को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट कर रहे हैं।

इलियाना की पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने कमेंट किया है। उन्होंने लिखा है 'खूबसूरत लड़की तुम्हें बहुत बहुत शुभकामनाएं।' अभिनेत्री सोफी चौधरी ने उनकी पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा है 'डार्लिंग आपको शुभकामनाएं। तुम्हें और इस बच्चे को बहुत सारा प्यार'। अभिनेत्री विद्या बालन ने कमेंट करते हुए लिखा है। 'शुभकामनाएं। भगवान आप लोगों की रक्षा करे।'

वायरल हुई इलियाना की पोस्ट

इलियाना की यह पोस्ट खूब वायरल हो रही है। उनकी पोस्ट पर अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने भी कमेंट किया है और उन्हें बधाई दी है। इलियाना की पोस्ट पर अभिनेत्री अथिया शेट्टी ने भी कमेंट करके बधाई दी है। रिद्धिमा तिवारी ने भी उनकी पोस्ट पर कमेंट किया है।

इलियाना के बारे में

आपको बता दें कि इलियाना की शादी माइकल डोलान के साथ मई 2023 में हुई थी। अगस्त 2023 में उनका पहला बच्चा हुआ था। इलियाना ने अक्टूबर 2024 में अपनी दूसरी प्रेगनेंसी का एलान किया था। हाल ही में इलियाना ने सोशल मीडिया के जरिए कहा था 'लोगों और खासकर बच्चों को यह सिखाया जाना चाहिए कि क्रूर, दुष्ट, निर्दयी या स्वार्थी होना प्यार करने लायक गुण नहीं हैं। प्यार को सम्मान और खुशी से हासिल करना पड़ता है।'

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com